RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः300, मंगलवार, 11 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सभी मतदाता अपना मतदान निश्चित रूप से करें- स्टेट स्वीप आईकॉन नीतू चंद्रा 03

11 नवंबर को नीतीश सरकार के 11 मंत्रियों की सियासी परीक्षा, तीन महिला मंत्री बनीं केंद्र बिंदु 04

त्रिशा कर मधु ने भोजपुरी गानों पर दिखाए डांस के जलवे 07

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका

● रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में खड़ी कार में ब्लास्ट ● पास खड़ी दो गाड़ियां भी जलीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार को पार्किंग में खड़ी एक कार में अचानक धमाका हो गया। धमाके के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी तीन और गाड़ियां भी जल गईं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमाके के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर मौजूद है। आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। धमाके में 2-3 लोगों के घायल होने की खबर है। दिल्ली फायर डिपार्टमेंट और दिल्ली पुलिस स्पेशल की टीमें मौके पर। मेट्रो स्टेशन के आसपास के पूरे इलाके के कॉर्डन ऑफ कर दिया गया है। फायर डिपार्टमेंट को 18.56 बजे धमाके की खबर मिली थी। धमाके बाद घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों से देखा जा सकता है कि इलाके में डर का माहौल स्थापित हो गया। धमाके के बाद दिल्ली पुलिस के कमिश्नर भी मौके पर पहुंचे। साथ ही एनआईए की टीम भी मौके पर पहुंची। उधर, धमाके से कुछ घंटों पहले ही दिल्ली-एनसीआर के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 360केजी विस्फोटक किया जब्त

2 डॉक्टरों समेत 7 गिरफ्तार, 2 राइफल-2 पिस्टल भी बरामद

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक (संदिग्ध अमोनियम नाइट्रेट) बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। यहां जम्मू-कश्मीर पुलिस ने छापा मारा था। गिरफ्तार

डॉक्टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। इससे पहले 7 नवंबर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर (यूपी) से डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया था। यह अनंतनाग (कश्मीर) का रहने वाला है। आदिल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रैक्टिस करता था। 2024 में इसने वहां से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह सहारनपुर में प्रैक्टिस करने लगा।

बेंगलुरु जेल का एक और वीडियो, कैदी कर रहे डांस

शराब पार्टी हो रही थी, आईजी ने कहा- मामले की जांच हो रही

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की पराप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल का एक और सीसीटीवी सामने आया है। इसमें कैदी गाना गाते, नाचते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि अभी इस वीडियो की पुष्टि होना बाकी है। 55 मिनट के वायरल वीडियो की शुरुआत में शराब की 4 बोतलें खिड़की पर सजी हुई दिख रही हैं। आगे कुछ

कैदी जमीन पर बैठकर बर्तनों को बजा रहे। 5-6 चिल्लाते हुए नाच रहे हैं। वीडियो में डिस्पोजेबल गिलास में शराब, प्लेट में कटे फल और तली मूंगफली भी दिख रही हैं। आखिर में कई मोबाइल फोन और चार्जर भी नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो करीब एक हफ्ते पहले का बताया जा रहा है। इससे पहले शनिवार को ही सामने आए पहले वीडियो में आतंकी जुहैब हमीद शकील मन्ना फोन इस्तेमाल करता दिख रहा था। शकील को एनआईए ने 17 नवंबर 2021 को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था, उस पर युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती करने और फंड जुटाने का आरोप है। एडिशनल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ प्रिजन्स पीवी आनंद रेड्डी ने कहा- इन कैदियों को मोबाइल फोन कैसे मिले, कौन जेल के अंदर लेकर गया जांच होगी।

एसआईआर के खिलाफ बंगाल कांग्रेस भी सुप्रीम कोर्ट पहुंची

टीएमसी का दावा-एसआईआर के डर से बंगाल में 15 मौतें हुईं

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के खिलाफ याचिका लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार

एसआईआर मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा। इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। टीएमसी ने कहा कि एसआईआर के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचार' करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है।

आतंकी नेटवर्क के खात्मे के लिए तगड़ा ऑपरेशन

कश्मीर में 100 लोग हिरासत में, पूछताछ है जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत घाटी से 100 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया है। पिछले दो दिनों में कश्मीर घाटी और जम्मू प्रांत दोनों में दर्जनों घरों पर छापेमारी की गई। ये छापे उन लोगों पर केंद्रित थे जिन पर आतंकवादी समर्थक होने, पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों के रिश्तेदार होने और आतंकी समूहों के पूर्व ओवर ग्राउंड वर्कर होने का आरोप है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद का ऑनलाइन महिमामंडन किए जाने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाए जाने के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी।

● डिजिटल उपकरणों सहित कई सबूत जब्त- प्रवक्ता के मुताबिक, फॉरेंसिक जांच के लिए सिम कार्ड, मोबाइल फोन, टैबलेट और कई तरह के डिजिटल उपकरणों सहित कई सबूत जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री से अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे आगे की जांच और अतिरिक्त कार्रवाई का रास्ता साफ होगा। उन्होंने कहा, इस कार्रवाई का मकसद डिजिटल खतरों को उनके स्रोत के स्तर पर ही समाप्त करना है।

2 स्पेशल पुलिस ऑफीसर्स सेवा से बर्खास्त

इस बीच, जम्मू प्रांत के कठुआ जिले में 2 स्पेशल पुलिस ऑफीसर्स को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। दोनों पर आतंकवादियों की मदद करने का आरोप था और पिछले साल उन्हें गिरफ्तार किया गया था। जम्मू के रामबन, डोडा और राजौरी जिलों में भी छापेमारी की गई। वहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के घरों पर छापेमारी की, जिनमें हिजबुल मुजाहिदीन के टॉप कमांडर गुलाम नबी खान उर्फ आमिर खान भी शामिल हैं। पुलिस के आधिकारिक बयान में कहा गया, खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों की मदद से विभिन्न स्थानों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

दूसरा जिन्ना पैदा न होने पाए, यहीं दफन कर देना

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर में एकता यात्रा निकाली। वह 2 किमी पैदल चले। योगी ने कहा- हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। अगर जिन्ना पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना। सीएम ने वंदे मातरम को लेकर बड़ा ऐलान भी किया। कहा- अब प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' का नियमित और अनिवार्य गायन किया जाएगा। एकता पदयात्रा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर निकाली जा रही है। 25 नवंबर तक प्रदेशभर में आयोजन होंगे। हर विधानसभा में 10 किमी की यात्रा निकाली जाएगी। योगी ने कहा- जब वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर कार्यक्रम शुरू हुए तो सिर फूटना शुरू हो गए। सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया। ये वही लोग हैं, जो सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शर्मनाक तरीके से शामिल होते हैं। ये उग्रवाद, आतंकवाद देश की अखंडता को चुनौती दे रहा है।

● यूपी के स्कूलों में रोज वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा

एसआईआर में मुसलमानों की मदद के लिए आगे आए मौलवी

बंगाल में चलाया जा रहा स्पेशल कैंपेन, टीएमसी भी दे रही साथ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक संगठनों, मस्जिद समितियों और मौलवियों ने एसआईआर के दौरान मुसलमानों की सहायता के लिए अभियान शुरू किया है। ऐसा 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मुसलमानों में

संभावित उत्पीड़न को लेकर चिंता और भ्रम बढ़ने की आशंका के बीच किया जा रहा है। इमामों और सामाजिक समूहों ने न केवल लगभग 40 हजार मस्जिदों से, बल्कि राज्य भर के मुस्लिम-बहुल इलाकों में संपर्क कार्यक्रमों के जरिए भी अपील जारी करना शुरू कर दिया है। इसमें निवासियों से शांति बनाए रखने, एसआईआर फॉर्म सावधानीपूर्वक भरने और नहीं घबराने का आग्रह किया जा रहा है। कोलकाता में रेड रोड पर वार्षिक नमाज पढ़ाने वाले इमाम-ए-दीन काजी फजलुर रहमान ने बताया कि धार्मिक नेता नागरिकों का मार्गदर्शन करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बिहार में दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज

सभी जगह पहुंची ईवीएम, गयाजी के 3 गांवों में 25 साल बाद वोटिंग

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग कल 11 नवंबर को होनी है। मतदान मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं। सोमवार शाम तक चुनाव कर्मी ईवीएम लेकर बूथों पर पहुंच गए हैं। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। पहले फेज में रिकॉर्ड 65 फीसदी वोटिंग हुई थी। इमामगंज प्रखंड के हेरहज, पथरा और केवलडीह गांव के मतदाता लगभग 25 साल बाद अपने गांव में ही मतदान कर सकेंगे। 2001 में आखिरी बार वोटिंग के बाद से इन तीनों गांवों के लोग वोट नहीं डाल पा रहे थे। दरअसल, नक्सलियों के कारण प्रशासन ने इन गांवों का पोलिंग बूथ 10-12 किमी दूर सलैया बना दिया था। दूरी और ट्रांसपोर्ट की कमी के चलते ग्रामीण वहां तक नहीं पहुंच पाते थे, जिससे लोग वोटिंग से वंचित रह जाते थे। बिहार चुनाव में सीएम नीतिश कुमार की सेहत को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। किसी क्रिकेटर की तरह सीएम ने जुबानी जवाब देने की जगह ताबड़तोड़ जनसभाएं कर बता दिया कि उनकी ऊर्जा कम नहीं हुई है। 16 अक्टूबर से 9 नवंबर तक नीतिश ने 181 जनसभाएं की। रोड शो किए। हर दिन जनता के बीच करीब 8 घंटे रहे। 25 दिन में 1448 घंटे फील्ड पर रहे। उन्होंने अपनी सभाओं में 543 बार कहा, उ लोग (लालू परिवार) कुछ नहीं किया, सब हमने किया।

भारत ने छोड़ा आयनी एयरबेस, पाक-चीन हुए खुश

● तजाकिस्तान के आयनी एयरबेस को भारत ने किया खाली ● पीओके, चीन पर रहती थी नजर, रणनीतिक रूप से था खास

दुशांबे (एजेंसी)। भारत ने अपने एकमात्र पूर्ण विकसित विदेशी एयरबेस को खाली कर दिया है। यह ताजिकिस्तान स्थित आयनी एयरबेस है, जहां से करीब तीन साल चली प्रक्रिया के तहत भारत ने वापसी की है। इससे भारत की मध्य एशिया में दो दशकों की रणनीतिक सैन्य उपस्थिति खत्म हो गई है। भारत की वापसी 2022 में शुरू हो गई थी लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी पिछले महीने सामने आई। इसने भारत के दीर्घकालिक क्षेत्रीय प्रभाव और सुरक्षा स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में भारत के अगले कदम पर भी नजर होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के पास स्थित आयनी एयरबेस सोवियत काल के दौरान बनाया गया था। सोवियत संघ के पतन के बाद यह जीर्ण-शीर्ण हो गया था। भारत ने 2002 के एक द्विपक्षीय समझौते के तहत इसे फिर से बनाया और बेस के आधुनिकीकरण के लिए करीब 80

मिलियन डॉलर खर्च किए। **भारत ने बनाए नए रनवे, हैंगर-** आयनी बेस पर भारत के सीमा सड़क संगठन ने 3,200 मीटर लंबे रनवे का पुनर्निर्माण किया। इसके अलावा हैंगर और ईंधन डिपो बनाए। साथ ही हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली स्थापित की। इससे यह बेस लड़ाकू जेट और भारी परिवहन विमानों, दोनों के लिए उपयुक्त हो गया। आयनी में एक समय 200 से ज्यादा भारतीय सैन्यकर्मी और सुखोई-30 एसयू जैसे लड़ाकू विमान तैनात थे। आयनी की अहमियत को इसकी भौगोलिक स्थिति से समझा जा सकता है। यह अफगानिस्तान के वाखान कॉरिडोर से 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जो पीओके और चीन के शिनजियांग प्रांत की सीमा से लगी एक संकरी जमीनी पट्टी है। ऐसे में यह भारत को भूराजनीतिक रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र तक दुर्लभ रणनीतिक पहुंच प्रदान करता है। कहा जा रहा है कि आयनी में भारत की उपस्थिति ताजिकिस्तान के साथ हवाई अड्डों के पुनर्स्थापन और विकास के लिए एक सीमित द्विपक्षीय समझौते का हिस्सा थी। यह समझौता 2022 में समाप्त हो गया। ऐसे में समझौता खत्म होने के बाद भारत ने औपचारिक रूप से यह सुविधा ताजिक सरकार को वापस सौंप दी। राजनयिक सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे मध्य एशिया के दो प्रमुख देश रूस और चीन हैं। इन दोनों देशों की ओर से तजाकिस्तान पर भारत के साथ आयनी बेस का नवीनीकरण ना करने का दबाव डाला गया। इसके चलते 2022 के बाद भारत ने धीरे-धीरे अपने कर्मियों को वापस बुलाते हुए बेस खाली कर दिया। आयनी एयरबेस भारत का अकेला ऐक्टिव विदेशी सैन्य अड्डा था।

भारत के पास कोई बेस नहीं

आयनी खाली करने के बाद भारत का अब किसी अन्य देश में कोई कार्यात्मक विदेशी सैन्य अड्डा नहीं रह गया है। हालांकि साल 2024 में भारत और मॉरीशस ने पश्चिमी हिंद महासागर में द्वीपों के छोटे समूह अगालेगा पर उन्नत हवाई पट्टी बनाई है।

ये सुविधा अफ्रीका के पूर्वी तट के जलक्षेत्र में भारत की पहुंच और निगरानी बढ़ाती है। उत्तरी अगालेगा द्वीप पर नई हवाई पट्टी भारतीय नौसेना को पहले से उपयोग में आ रहे डोर्नियर विमानों के अलावा बड़े समुद्री टोही विमानों का संचालन करने की अनुमति देती है। इसके अलावा भारत भूटान में एक सैन्य प्रशिक्षण दल रखता है, जो रॉयल भूटान आर्मी और रॉयल बॉडीगार्ड ऑफ भूटान के कर्मियों को ट्रेनिंग देता है।

संक्षिप्त समाचार

कीचड़ भरी सड़क से परेशान ग्रामीण, समस्या समाधान की मांग, स्थानीय लोग बोले- अंदोलन के लिए मजबूर

पटना। पटना से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित धनरूआ पंचायत के वार्ड नंबर 6 के निवासी गंदगी के समस्याओं से जूझ रहे हैं। सड़क, नाली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त की है। वार्ड के निवासियों का कहना है कि वर्षों से चुनावी वादों के बावजूद उन्हें इन सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उनकी शिकायत है कि स्थानीय प्रशासन ने उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया है। इस संबंध में धनरूआ पंचायत की मुखिया रानी देवी ने कहा कि समस्या का समाधान जल्द ही किया जाएगा। वहीं, क्षेत्र की विधायक रेखा देवी इस समय चुनाव में व्यस्त हैं। ग्रामीणों के अनुसार, वार्ड की संकरी और कच्ची गलियां बरसात में कीचड़ में बदल जाती हैं, जिससे आवाजाही में भारी परेशानी होती है। खुले नलों से पानी गलियों में गिरने से गंदगी और जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। इन समस्याओं का सीधा असर उस मार्ग से आने जाने वालों को या ग्रामीणों पर पड़ता है। एक महिला ग्रामीण ने मीडिया से बात करते हुए अपनी व्यथा बताई, "हम रोज़ साड़ी उठाकर चलने को मजबूर हैं, हमारी स्थिति किसी ने नहीं देखी।" ग्रामीणों ने पंचायत और संबंधित विभागों से तात्कालिक मरम्मत, नाली निकासी और जल निकास की व्यवस्था करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो वे विधि सम्मत तरीके से आंदोलन करने पर विवश होंगे। स्थानीय प्रशासन से बड़े स्तर पर सड़क-पक्कीकरण, नालियों की सफाई और पेयजल व्यवस्था की मरम्मत की मांग की गई है। एक वरिष्ठ स्थानीय समाजसेवी और ग्राम विकास कार्यकर्ता ने इस मुद्दे पर कहा, "हम मतदाताओं की आवाज़ को दबने नहीं देंगे। यह सिर्फ एक वार्ड की समस्या नहीं, बल्कि स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही का प्रश्न है।" उन्होंने जोर दिया कि न्याय और सुविधाओं के लिए लगातार आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि शहरीकरण की चुनौतियों के बीच छोटे कस्बों और गांवों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं की अनदेखी सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए जोखिम बन रही है।

आपसी विवाद को लेकर मारपीट, पड़ोसियों ने किया हमला, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

पटना। नौबतपुर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में सोमवार सुबह आपसी विवाद को लेकर मारपीट की घटना हुई। इस दौरान पड़ोसियों ने 46 वर्षीय संतोष राम को डंडे और ईंट से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना सुबह करीब सात बजे की है, जब संतोष राम घर से काम पर जा रहे थे। इसी दौरान उनका पड़ोसी रंजन मिस्त्री से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर रंजन मिस्त्री ने अपने परिवार के सदस्यों बिक्की कुमार, बंटी कुमार, विभा देवी और गुड़िया देवी के साथ मिलकर संतोष राम पर हमला कर दिया। हमले में डंडे और ईंट का इस्तेमाल किया गया, जिससे संतोष राम के सिर में गंभीर चोट लग गई। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि संतोष राम के सिर और शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं। नौबतपुर थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हेल्थ कैंप में 150 से ज्यादा लोगों ने कराई जांच, बख्तियारपुर के गरीब सेवा सदन में लगा निःशुल्क शिविर

पटना। पटना के बख्तियारपुर में मिर्दाहाचक (मंझौली) स्थित गरीब सेवा सदन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा था। जिसमें 150 से ज्यादा लोगों का हेल्थ चेकअप हुआ। कैंप का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच की सुविधा पहुंचाना और लोगों में बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में फोर्ड हॉस्पिटल के जनरेल फिजिशियन डॉ. सौरभ कुमार के नेतृत्व में मरीजों की जांच की गई। शिविर में आने वाले लोगों का ब्लड प्रेशर (बीपी), ब्लड शुगर, ईसीजी, पल्स और ऑक्सीजन लेवल की जांच की गई। डॉक्टरों ने लोगों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श भी दिया और नियमित स्वास्थ्य जांच की अहमियत बताई। टीम में नर्सिंग स्टाफ रंजन सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शिविर में आसपास के गांव से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ग्रामीणों में इस शिविर को लेकर उत्साह देखा गया। कई बुजुर्ग और भारी संख्या में महिलाएं भी स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचीं। इलाज करने वाले चिकित्सक ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की जरूरत है, क्योंकि कई बीमारियां शुरुआती लक्षणों में ही पहचानी जा सकती हैं। शिविर के सफल आयोजन के लिए स्थानीय स्वयंसेवकों ने भी सहयोग किया। गरीब सेवा सदन के प्रबंधकों ने फोर्ड हॉस्पिटल की टीम का आभार जताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और विश्वास दोनों बढ़ते हैं।

4 दिन से बैंक बंद, ग्राहकों ने किया सड़क जाम, बिदुपुर ब्रांच पर थानाध्यक्ष के बीच-बचाव के बाद स्थिति शांत

हाजीपुर। वैशाली मे पंजाब नेशनल बैंक के बिदुपुर बाजार शाखा लगातार चार दिनों से बंद रहने से आक्रोश लोगो ने सोमवार को नाराज ग्राहकों, खासकर महिलाओं ने बैंक के समीप सड़क जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ। मौके पर पहुंचे बिदुपुर थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने स्थिति शांत कराया। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिदुपुर बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा की है । बताया जा रहा है कि लगातार चौथे दिन भी बैंक का ताला लटका हुआ था। बैंक की ओर से लगाए गए एक नोटिस में बताया गया था कि स्टाफ चुनाव में शामिल होने के कारण बैंक बंद है। इस बैंक मे ग्राहक दूर-दूर से बैंकिंग काम करवाने आए थे, लेकिन बार-बार आने के बावजूद उनका काम नहीं हो पा रहा था। इससे तंग आकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने बैंक के सामने सड़क जाम कर दिया। उनका कहना था कि बैंक स्टाफ उनकी समस्याओं को नहीं सुनता और मनमानी करता है। एक ग्राहक राकेश कुमार ने बताया, "बैंक में कोई सुनवाई नहीं है। सब अपनी मनमर्जी करते हैं।" वहीं, इंद्रावती देवी नामक एक महिला ग्राहक ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, "मैं कई दिनों से अपना केवाईसी करवाने आ रही हूं, लेकिन अभी तक नहीं हुआ। हममें से कई के घर में शादी है, तो किसी के बच्चे बीमार हैं। खाते में पैसा होने के बावजूद हम उसे निकाल नहीं पा रहे हैं। हम दर-दर भटक रहे हैं।" यह सड़क जाम लगभग एक घंटे तक चली, जिसके कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी जाम लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बिदुपुर थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने ग्राहकों से शांत रहने और सड़क जाम हटाने का आग्रह किया। उन्होंने ग्राहकों की समस्याएं सुनीं और बैंक के स्टाफ से बातचीत की। इसके बाद बैंक स्टाफ ने आश्वासन दिया कि मंगलवार से बैंक खुला रहेगा और सभी ग्राहकों के काम कर दिए जाएंगे। थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने नाराज ग्राहकों को विश्वास दिलाया, "कल मैं खुद बैंक में मौजूद रहूंगा और आप सभी का काम करवाने में मदद करूंगा।" इस आश्वासन के बाद ग्राहक शांतिपूर्वक अपने-अपने घर लौट गए।

सम्राट चौधरी को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कोर्ट का समय बर्बाद न करें, चुनावी हलफनामे में उम्र गलत बताने का आरोप

एजेंसी, पटना

सुप्रीम कोर्ट ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को चुनाव में अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका हैदराबाद के एक निवासी ने दायर की गई थी। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की दो बेंचों ने की, और अदालत ने स्पष्ट कहा, न्यायालय का समय बर्बाद न करें। याचिका में कहा गया, सम्राट चौधरी ने उम्मीदवार के तौर पर गलत डेट ऑफ बर्थ और उम्र के साथ कई हलफनामे दायर किए, जिनमें 1995 में आपराधिक कार्यवाही के लिए 15 साल का नाबालिग होने का दावा करना, जबकि 1999 के चुनाव के लिए 25 साल से अधिक उम्र का दावा करना और बाद में 2020 और 2025 के चुनावी हलफनामों में गलत उम्र बताया गया। याचिका में उनका नामांकन रद्द करने, FIR दर्ज करने और निर्वाचन आयोग को जांच के निर्देश देने की मांग की गई थी। भाजपा का कहना है कि यह याचिका राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से दायर की गई थी, जिसे अदालत ने सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही, याचिकाकर्ता को अपना आरोप पत्र भी वापस लेना पड़ा। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस मामले की जानकारी अपने X पोस्ट के माध्यम से साझा की और कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय सत्य और न्याय की जीत है।

पटना में पोस्टर- 25 से 30, फिर से नीतीशः पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में नीतीश कुमार के पोस्टर लगे हैं। पोस्टर में लिखा है- 25 से 30, फिर से नीतीश। इसके साथ ही जनता दल यूनाइटेड ने सोमवार को सोशल मीडिया X पर कई पोस्ट कर दावा किया कि बिहार में फिर से NDA की सरकार बनने जा रही है। एक पोस्ट में लिखा गया- बस अब 4 दिनों का इंतजार.. फिर से आ रही है नीतीश जी की सरकार..। दूसरे पोस्ट में वीडियो शेयर कर लिखा गया- हर मां की दुआओं में हैं नीतीश कुमार।

नीतीश कुमार आज भी मुख्यमंत्री हैं और कल भी रहेंगेः सम्राट चौधरीः बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि, 'बिहार लोकतंत्र की जननी है और जनता तय करती है कि कौन कहा बैठेगा। ये गांधी परिवार की सत्ता नहीं है, सभी सदस्यों के पास सत्ता है। तब भी राहुल गांधी बैठकर रो रहे हैं। सब पाप का हिसाब जनता लेगी। 55 साल तक कांग्रेस पार्टी ने भारत को लूटा है। पिछड़ों को आरक्षण नहीं दिया, दलितों के आरक्षण का विरोध किया। सबका हिसाब जनता करती है।' सम्राट चौधरी ने कहा, 'मैं भाजपा का राजनीतिक कार्यकर्ता हूं। NDA में कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार आज भी मुख्यमंत्री हैं और कल भी रहेंगे।'

अरुण भारती ने कहा- तेजस्वी वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, अदालत क्यों नहीं जाते?ः LJP (रामविलास) नेता अरुण भारती ने कहा, 'तेजस्वी यादव को ध्यान रखना चाहिए कि कैसे उनके समर्थक जनता को परेशान कर रहे हैं, क्योंकि लोग उनके पक्ष में वोट नहीं दे रहे हैं, कैसे वे न केवल परेशान कर रहे हैं बल्कि जान लेने पर भी आमादा हो गए हैं। अगर वे वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, तो अदालत क्यों नहीं जाते? उनके बीच बिखराव इस बात से दिखाई देता है कि SIR के मुद्दे पर पूरा महागठबंधन, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी एक जीप पर नजर आते थे, लेकिन जब से चुनाव प्रचार शुरू हुआ है, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी किसी एक मंच पर नहीं दिखे, तो अंदर क्या चल रहा है?'

एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षिका की लटकी मिली लाश

एजेंसी, पटना

❑ छुट्टी के बाद लौटी थी, दोस्त ने कहा- रात में साथ खाना खाया, सुबह कमरे से नहीं निकली

पटना में प्राइवेट ANM ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षिका की सोमवार को संदिग्ध स्थिति में मौत हुई है। ट्रेनिंग स्कूल के फर्स्ट फ्लोर के कमरे से उसकी फंदे से लटकी हुई लाश मिली है। मृतका की पहचान समस्तीपुर के ताजपुर निवासी ज्योति कुमारी (25) के रूप में हुई है। पिछले 2 साल से सौम्या कृष्णा ANM ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षिका के पद पर थी। छुट्टी में घर गईं थी। रविवार के दिन सौम्या समस्तीपुर से पटना लौटी थी।

सहकर्मी शिक्षिका सुप्रिया रानी ने बताया कि 'रात में ज्योति के साथ मैंने खाना खाया था। सुबह दरवाजा नहीं खोल रही थी। गेट तोड़ा तो उसकी लाश लटकी मिली। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी पटेल नगर का है।' शास्त्री नगर थानेदार रविन्द्र कुमार ने कहा, 'सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि ANM ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षिका ने फंदे से लटक आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की गई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।'

दरवाजा खटखटाने पर नहीं खोलाः सहकर्मी शिक्षिका सुप्रिया रानी ने बताया कि देर शाम ज्योति अपने घर से लौटकर आई थी। गुरुनानक जयंती पर घर गई थी। पिछले 4 दिनों से घर पर ही थी। किसी को कभी कोई परेशानी नहीं बताई। कभी ऐसा लगा भी नहीं कि सुसाइड कर सकती है। सुबह जब कॉलेज जाने का समय हो गया, दरवाजा खटखटाने के बाद नहीं जगी तो सूचना मैंने प्रिंसिपल एंजिलिना बेंजामिन को दी। उन्होंने गार्ड को ऊपर में भेजा और खुद आईं। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया तो फंदे से लटकी हुई थी, फिर डायल-112 को सूचना दी गई।

पुलिस जांच में जुटी है। हमलोग 2 शिक्षिका यहां रहते थे। शास्त्री नगर थानेदार रविन्द्र कुमार ने कहा कि, सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षिका ने फंदे से लटक आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की गई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक बच्ची को गोद लेने के लिए 200 कॉल

एजेंसी, पटना

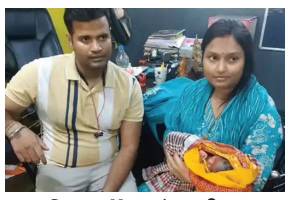

❑ जिम ऑनर से सभी कह रहे, सर मुझे दे दीजिए

'मुझे जिम के गेट पर लटके झोले में एक अनाथ बच्ची मिली थी। जब मैं उसे अपने घर ले गया तो सब काफी खुश हुए। मेरी बेटी जब हुई थी उस वक्त जैसा माहौल था उसी तरह का माहौल था। जब मैंने बच्ची को झोले से निकाला था तब सोच लिया था कि इसे हम ही रखेंगे, पर अब मुझे प्रक्रिया से गुजरना होगा। करीब 12 घंटे में मेरे पास 200 कॉल आए, सभी इसी बच्ची के बारे में पूछ रहे थे, कह रहे थे कि सर वो बच्ची मुझे दे दीजिए, मैं उसे पालूंगा, पर ऐसा नहीं हो सकता है। इसके लिए प्रक्रिया है। मुझे भी उस प्रक्रिया से गुजरना होगा, पुलिस के कहने पर फिलहाल मैंने उसी दिन बच्ची को ललित भवन के पीछे अपना घर शेल्टर में जमा कर दिया था। आज मैं उसे गोद लेने कि लिए अप्लाई करूंगा।' ये बातें जिम के ऑनर सौरव सुमन कह रहे हैं। जो अन्य लोगों से भी अपील कर रहे हैं कि जिन्हें भी बच्ची चाहिए, वे ऑनलाइन अप्लाई करें। मामला राजीवनगर रोड नंबर-18 का है। सौरव कहते हैं जिस वक्त मैं झोले से बच्ची को निकाल रहा था, उस वक्त हाथ कांप रहे थे। इमोशन से मैं भर गया था। अपने बेटे को जब पहली बार गोद में उठाया था, ठीक वैसी ही खुशी मिल रही थी। मैंने जिम से ही मैंने अपनी बीबी, भाभी, मां-पापा को बच्ची के बारे में बता दिया था।

'तेजस्वी शपथ लेंगे तो कांग्रेस वाले उनको शपथ दिलाएंगे'

एजेंसी, पटना

♦ मंत्री विजय चौधरी का नेता प्रतिपक्ष को जवाब, कहा- उनको हार को आभास, इसलिए बेचैन हैं

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले, जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और राज्य सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने विपक्षी दलों पर कई आरोप लगाए। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने जहां पहले चरण के मतदान में विकास पर भरोसा' दिखाने के लिए जनता की सराहना की, वहीं मंत्री विजय चौधरी ने विपक्ष के प्रचार को 'तथ्यहीन और निराधार करार दिया। चौधरी ने अंत में कहा कि विपक्षी पार्टियों को अपनी हार का आभास हो गया है, इसलिए वे 'बेचैनी' में हैं और उनका पूरा चुनाव अभियान झूठा रहा है।

शपथ ग्रहण पर तेजस्वी यादव को जवाबः तेजस्वी यादव के उस बयान पर पलटवार करते हुए, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के साथ मिलकर शपथ लेने की बात कही थी पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि राजभवन या गांधी मैदान में शपथ ग्रहण केवल राज्यपाल महोदय ही करवाते हैं और वे सिर्फ एनडीए को शपथ दिलवाएंगे। मंत्री विजय चौधरी ने चुनावी अभियान के खत्म होने पर विपक्ष के प्रचार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कल दूसरे और आखिरी चरण का मतदान है', इस पूरे प्रचार अभियान में विपक्ष की पार्टियां एक-एक करके तथ्यहीन और निराधार बातें जनता के बीच रखती रहीं। विजय चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने केवल झूठ की बातें फैलाई हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री की महिला रोजगार योजना इतनी लोकप्रिय हुई है कि विपक्ष की अन्य सभी योजनाएं इसके सामने फीकी पड़ गई हैं।

महिला रोजगार योजना-'पैसा वापसी' के दावे को बताया भ्रमः मंत्री चौधरी ने विपक्ष के इस प्रमुख आरोप का खंडन किया कि चुनाव के बाद महिलाओं को दी गई 10 हजार रुपए को सहायता राशि वापस ले ली जाएगी। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा,'यह एक सहायता योजना है, जिसका नाम भले ही सहायता योजना हो, लेकिन यह महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की योजना है। इससे ज्यादा लोकप्रिय योजना दूसरी नहीं है'। 'मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि यह पैसा वापस नहीं लिया जाएगा, बल्कि यह महिलाओं को रोजगार में आगे बढ़ने के लिए सहायता दी जा रही है। चौधरी ने यह भी जोड़ा कि जो महिलाएं इस पैसे से रोजगार करेंगी, उन्हें आगे दो लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता मिलेगी, जिससे वे और अधिक आत्मनिर्भर होंगी'। विजय चौधरी ने विपक्ष द्वारा लगातार लगाए जा रहे 'वोट चोरी' के आरोपों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने भी इस आरोप का कोई एक भी मिसाल नहीं मांगा है।

ये लोग हिटलर के वंशज हैं, गलत बात फैला रहे हैंः चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के दो बड़े नेता- एक पीएम उम्मीदवार और एक सीएम उम्मीदवार, लोगों को भड़का रहे हैं, लेकिन आज तक वे 'वोट चोरी' का एक भी प्रमाण नहीं दे पाए हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता इस भ्रम को समझ चुकी है और उनके प्रचार का कोई असर नहीं हुआ है।

प्रेम प्रसंग में प्रेमी की हत्या करने का आरोप

एजेंसी, पटना

♦ परिजन बोले- पालीगंज में प्रेमिका ने घर बुलाया था, हिरासत में 2 लोग

पटना के पालीगंज अनुमंडल के इजरता मुसहरी में प्रेम प्रसंग में एक युवक की पीटकर हत्या करने का आरोप लगा है। युवक की पहचान बसंत मांझी के बेटे सोनू मांझी के रूप में हुई है। इलाज के दौरान पटना में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कल देर रात प्रेमिका ने सोनू को अपने घर बुलाया था। आरोप है कि प्रेमिका के परिवार के सदस्यों ने सोनू को बेरहमी से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस मामले में प्रेमिका के पिता बबलू पासवान और प्रेमिका को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

कई सालों से प्रेम प्रसंग थाः बताया जा रहा कि मृतक सोनू मांझी पिछले कई सालों से अपने ही गांव के एक लड़की से प्यार करता था। बातचीत भी करता था कल रात को लड़की ने मिलने के लिए अपने घर बुलाया। इसी दौरान लड़की के परिवार के लोगों ने उसे देख लिया। इसके बाद लड़की के पिता ने उसकी इतनी पिटाई की। वह बुरी तरह से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने और परिवार के लोगों ने उसे इलाज के लिए पटना ले गए, जहां सोमवार की सुबह में उसकी मौत हो गई। इधर मृतक सोनू के पिता बसंत मांझी ने बताया कि लड़की के पिता नहीं मेरे बेटे की हत्या की है।

पुलिस लड़की के पिता से कर रही पूछताछः पालीगंज डीएसपी 1 राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि पालीगंज थाना की पुलिस को सुबह 10 बजे सूचना मिली कि इजरता मुसहरी में प्रेम प्रसंग में एक युवक की हत्या हुई है। इलाज में युवक की मौत पटना में हो चुकी है। मृतक युवक के परिवार के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी लड़की के पिता बबलू पासवान को गिरफ्तार कर लिया है साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है इसके अलावा लड़की से भी मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।साथ ही मृतक के परिवार के लोगों के तरफ से थाने में लिखित आवेदन दिया जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर लगाए आरोप

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव में केंद्रीय बलों की तैनाती पर सियासी बवाल

बिहार में महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए चिंता भी जताई है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि दूसरे चरण की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बिहार में बड़ी संख्या में केंद्रीय या अन्य अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात की जा रही हैं और उनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों से आ रही हैं। राजधानी पटना में एक पत्रकार वार्ता के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के दूसरे चरण के मतदान से पहले सुरक्षा-निगरानी व्यवस्था में बड़े असंतुलन और संभावित दखल के संकेत मिल रहे हैं। अगर सत्ता पक्ष ने चुनावी प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश की, तो उसकी बड़ी कीमत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुकानी पड़ेगी।

तेजस्वी ने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि पहले चरण के मतदान के चार दिन बाद भी लिंग-अनुपात वाले वोटर आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने आयोग से पारदर्शिता और तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की और चेतावनी दी कि अगर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई, तो विपक्ष इसे मानने को तैयार नहीं रहेगा।

तेजस्वी यादव ने दावा किया कि दूसरे चरण की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बिहार में बड़ी संख्या में केंद्रीय या अन्य अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात की जा रही हैं और उनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों से आ रही हैं। उन्होंने राज्यों का नाम गिनाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, हरियाणा आदि से सैकड़ों कंपनियां भेजी गई हैं। कुल मिलाकर 200 से अधिक कंपनियों के संदर्भों का उल्लेख किया। तेजस्वी ने पूछा कि यह असंतुलन क्यों है और यदि तटस्थता आवश्यक है, तो सीएपीएफ जैसे तटस्थ बलों की पर्याप्त तैनाती क्यों नहीं की गई? उन्होंने विशेष रूप से कई मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी बंद होने और संवेदनशील स्थानों पर कमजोर निगरानी का मुद्दा उठाया। पार्टी ऐसी घटनाओं की सक्रिय रूप से शिकायत दर्ज करा रही है। तेजस्वी ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर कोई मिलावट हुई तो केंद्र और संबंधित राज्य सरकारें राजनीतिक रूप से ज़िम्मेदार होंगी।

बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान पटना हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ ने सुनिश्चित की निर्बाध और सुरक्षित वीवीआईपी आवाजाही

एजेंसी, पटना

जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की इकाई ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार अभियान (06 अक्तूबर 2025 से 09 नवम्बर 2025) के दौरान वीवीआईपी आवाजाही को सफलतापूर्वक और सुचारू रूप से संचालित किया। चुनावी अभियान के दौरान अनेक वरिष्ठ राजनेता, गणमान्य व्यक्ति और वीवीआईपी पटना पहुंचे। इस अवधि में 24 हेलीकॉप्टरों ने अधिकतम उड़ानें संचालित कीं। CISF टीम ने पूरे अभियान काल में उत्कृष्ट समन्वय, सतर्कता और पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करते हुए हवाई अड्डे की सुरक्षा और संचालन को निर्बाध बनाए रखा।

अभियान के पहले दिन बड़ी संख्या में समर्थक और मीडिया कर्मियों की भीड़ के कारण एक वरिष्ठ नेता को अपने वाहन तक पहुंचने में कठिनाई हुई। CISF कर्मियों ने तुरंत एक सुरक्षित कॉरिडोर बनाकर उनकी सुरक्षित और सुचारू प्रस्थान सुनिश्चित किया ।

इस प्रसंग के बाद CISF और हवाई अड्डा प्राधिकरण ने वीवीआईपी और सामान्य यात्रियों की आवाजाही के मार्ग को अलग करने का निर्णय लिया, ताकि दोनों वर्ग के यात्रियों को असुविधा न हो। इसके लिए आगमन और प्रस्थान क्षेत्र में बफर जोन बनाए गए, जिनमें अतिरिक्त ट्रॉलियों का उपयोग किया गया। साथ ही यात्रियों को वैकल्पिक द्वारों से जाने की सलाह दी गई, जिससे संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। यह व्यवस्था अत्यंत प्रभावी साबित हुई और सभी द्वारा सराही गई। इसके अलावा, CISF ने आगमन और प्रस्थान के लिए दो समर्पित टीमें गठित कीं जो लायज़न अधिकारियों के साथ समन्वय में कार्यरत रहीं। PTT और बिहार हैंगर पर दो कर्मियों को रेडियो सेट के साथ तैनात किया गया, जो वीवीआईपी और चार्टर्ड उड़ानों की वास्तविक समय की जानकारी देते रहे। इससे समय पर एयरसाइड चेक और निर्वाचन आयोग (ECI) के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित हुआ।

सभी वीवीआईपी और चार्टर्ड उड़ानों की CISF के वर्दीधारी कर्मियों द्वारा सुरक्षा-एस्कॉर्ट व्यवस्था की गई — प्रस्थान क्षेत्र से लेकर विमान/हेलीकॉप्टर तक और वापसी में आगमन क्षेत्र तक, उनकी श्रेणी और खतरे के स्तर के अनुसार। आचार संहिता (MCC) लागू होने से अब तक, पटना हवाई अड्डा इकाई ने कुल 478 वीवीआईपी आवागमन का सफल प्रबंधन किया, जिनमें प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य उच्च सुरक्षा प्राप्त व्यक्तित्व शामिल हैं। यह CISF की सुरक्षित, कुशल और जनहितकारी विमानन सुरक्षा सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा ईवीएम वीवीपैट रिसीविंग सेंटर का किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। रिसीविंग सेंटर एमएस कॉलेज मोतिहारी एवं छतौनी स्थित डाइट को बनाया गया है जहां पर आज के मतदान के पश्चात पौल्ड ईवीएम को काउंटिंग के लिए रखा जाएगा। काउंटिंग 14 नवंबर को किया जाएगा। इसका निरीक्षण सोमवार को जिला पदाधिकारी सौरव जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

नकदी और चुनावी सामग्री के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश को नाकाम कर दिया। नगर थाना क्षेत्र के नकछेद टोला स्थित फैजानूत हक खान उर्फ सबा खान, पिता फैयाज खान के घर से पुलिस ने भारी मात्रा में नगद राशि व चुनावी सामग्री बरामद की। बताया गया है कि छापेमारी के दौरान राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता के समर्थन में उपयोग की जा रही सामग्रियां मिलीं, जिनमें उनके फोटो लगे 100 लिफाफे जिनमें नोट भरे हुए थे, राजद के गमछे, करीब 500 डायरी और अन्य वस्तुएं शामिल थीं। पुलिस ने मौके से फैजानूत हक खान को गिरफ्तार कर लिया। बरामद नगद राशि की कुल राशि 3,40,000 बताई गई है। प्रशासन ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जाता है कि यह पूरी गतिविधि मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से की जा रही थी।

आचार संहिता का उल्लंघन ममाले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ बगहाः बगहा अनुमंडल क्षेत्र में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की रैली और रोड शो के दौरान समय सीमा उल्लंघन का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भाजपा रैली का समय पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित था। इसकी अनुमति प्रशासन द्वारा पूर्व में दी गई थी, लेकिन निर्धारित समय समाप्त होने के बाद भी रैली जारी रही। प्रशासन ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना है। इस संबंध में कार्यक्रम के दंडाधिकारी ने बगहा थाना में प्राथमिकी संख्या 318/25 दर्ज कराई है। इसकी पुष्टि बगहा अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार ने की है।इसी क्रम में रविवार को बगहा विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया, जो मलकौली चौराहा से प्रारंभ होकर चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंग्लिशया चौक तक संपन्न हुआ था। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रत्येक कार्यक्रम का संचालन निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाना आवश्यक है। दो दिन पूर्व भी बगहा विधानसभा के निर्दलीय उम्मीदवार दिनेश अग्रवाल के विरुद्ध इसी प्रकार समय सीमा उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई थी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

विवाहिता की मौत मामले में पिता ने कराई प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई / झाझा। दो दिन पूर्व बैजला गांव में विवाहिता रंजू देवी की संदिग्ध मौत मामले में मृतका के पिता बांका के बेलहर थानाक्षेत्र के सरदारा गांव निवासी सहित यादव ने थाना में दामाद एवं अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में उन्होंने बताया कि 16 वर्ष पूर्व बेटी की शादी बैजला गांव निवासी प्रमोद यादव से करवाया जिसके बाद मेरी बेटी को एक बेटा और एक बेटी भी है। शनिवार को उसी गांव में रह रहे साढ़ू नरेश यादव ने बताया कि आपकी बेटी की मौत हो चुकी है। सूचना पर जब पहुंची तो देखा कि मेरी बेटी मृत पड़ी है और उसका पूरा कपड़ा भींगा हुआ है। गांव वालों ने उसका शव गांव के एक कुआं से निकाला था। मृतका के पिता ने आवेदन में आगे बताया कि मेरे दामाद का अनैतिक सम्बंध गांव के ही एक विधवा महिला से है और अवैध सम्बंध का विरोध करने पर मेरी बेटी को दामाद, उक्त विधवा महिला और नागो यादव ने शुक्रवार की रात्रि में ही हत्या करके कुआं में फेंक दिया था। सहित ने आगे बताया है कि मेरी बेटी जो हमेशा हाथों में चांदी का कंगन, नाक,कान व गले मे सोने का नथुनी व लॉकेट, कानबाली पहने रहती थी वह भी शव से गायब था।

ई रिक्शा पलटने से तीन घायल

घायलों का इलाज करते चिकित्सक

बीएनएम @ जमुई / झाझाः सोमवार को झाझा के अम्बा गांव के पास बाइक के चकमा देने से ई रिक्शा पलटने से उसपर सवार तीन लोग घायल। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अन्य लोगों की मदद से भर्ती कराया गया जहां सभी घायलों का इलाज हुआ। घायल में खैरा थानाक्षेत्र के कृष्णानगर के रहने वाले धर्मेंद्र मांझी, उसकी पत्नी राधा देवी और भाभी बासो देवी शामिल हैं। डॉक्टर के इलाज के बाद धर्मेंद्र की स्थिति नाजुक देखकर डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायलों ने बताया कि झाझा से ई रिक्शा से अपने घर जा रहा था।

सभी मतदाता अपना मतदान निश्चित रूप से करें- स्टेट स्वीप आईकॉन नीतू चंद्रा

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला में आज मंगलवार 11 नवंबर को मतदान होना है। इसको लेकर मतदाता जागरूकता के लिए बिहार स्टेट के आइकॉन प्रसिद्ध सिने अभिनेत्री नीतू चंद्रा का मोतिहारी आगमन हुआ। जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के द्वारा मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में मतदाता जागरूकता संबंधी भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें तीन हजार से ज्यादा की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जागरुक करते हुए नीतू चंद्रा ने कहा कि हमारी ताकत, हमारी पहचान, हमारा अधिकार- मताधिकार है। मताधिकार कोई मामूली चीज नहीं है, यह संविधान के द्वारा प्रदान किया गया है और यह केवल देश के नागरिकों को प्राप्त है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अनुरोध किया कि आप 11 नवंबर को सबसे पहले अपना मतदान करें। यह अवसर बार-बार नहीं आता, 5 वर्षों में एक बार आता है, इसे आप ध्यान में रखें। कार्य तो आएंगे, होते रहेंगे, कार्य करते भी रहिए परंतु अपना मतदान जरूर कीजिए। उन्होंने सभी मतदाताओं का आह्वान किया कि आप अपने मतदान केंद्र जाएं, वहां सभी सुविधाएं जिला प्रशासन और निर्वाचन आयोग के द्वारा उपलब्ध कराया गया है। मतदान केंद्र को बिल्कुल मतदाता फ्रेंडली बनाया गया है। आप मतदान केंद्र जाएं और अपना मतदान करें। अपना मतदान अपनी स्वेच्छा से करें, बिना भय एवं प्रलोभन के करें। महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं स्टेट स्वीप आइकॉन नीतू चंद्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला स्वीप की वरीय नोडल पदाधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रशिक्षु पदाधिकारी प्रिया रानी सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित मतदाता समूह को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने संवैधानिक दायित्वों का एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। आपके मतदान से राज्य एवं राष्ट्र को मजबूती मिलेगी। मतदान जरूर करें। उन्होंने भी कहा कि "पहले मतदान-फिर जलपान" जिला में यह नारा पूरी बुलंदी पर छाए हुए हैं, सभी मतदाताओं से जिला प्रशासन अनुरोध करता है कि आप अपने मताधिकार का प्रयोग करें। प्रेक्षा गृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन आदित्य मानस के द्वारा किया गया। यहां से निकलने के बाद नीतू चंद्रा रामगढ़वा प्रखंड के बड़की पखनहिया गांव गई जहां पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उनका पारंपरिक विधि विधान से उनका स्वागत किया। यहां पर भी जागरूकता अभियान के अंतर्गत उन्होंने सभी लोगों से अपना मतदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, जिला स्वीट नोडल ज्ञानेश्वर प्रकाश एवं निधि कुमारी, डीपीएम जीविका, शिक्षा विभाग के शकील अहमद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएम एवं एसपी ने मतदान कर्मियों को किया रवाना

बीएनएम @ जमुई

हरी झंडी दिखाकर मतदान कर्मियों को रवाना करते जिलाधिकारी व अन्य

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को जिले में चुनावी तैयारियों का अंतिम चरण पूरा हुआ। डीएम श्री नवीन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर मतदान कर्मियों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया।जिला मुख्यालय स्थित श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम परिसर से मतदान दलों को रवाना किया गया। इस दौरान डीएम ने सभी मतदान कर्मियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान कराने का निर्देश दिया। वहीं एसपी विश्वजीत दयाल ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी चौकसी बरतने की बात कही।डीएम ने कहा कि "मतदान लोकतंत्र का महापर्व है, इसे सफल बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।मौके पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पुलिस बल एवं बड़ी संख्या में मतदान कर्मी मौजूद रहे।

छज्जा गिरने से एक छात्र की मौत,दो घायल

रत्नपुरवा स्थित डॉ बी आर अंबेडकर आवासीय विद्यालय की घटना , ग्रामीणों में आक्रोश

बीएनएम @ बगहा

बगहा दो प्रखंड के सिधांव रत्नपुरवा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय परिसर में रविवार की देर शाम बड़ा हादसा हो गया। विद्यालय परिसर में स्थित पुराने परित्यक्त भवन का छज्जा अचानक गिरने से तीन छात्र इसकी चपेट में आ गए, जिसमें एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय कुछ छात्र उस जर्जर भवन के पास खेल रहे थे।मृत छात्र की पहचान 10 वर्षीय अरुण कुमार, पिता अजय उरांव, कदमहवा निवासी के रूप में की गई है। वह कक्षा चार का छात्र था। घायलों में 14 वर्षीय हरिराम, पिता गणेशा राम, कटिहार निवासी शामिल है, जो आठवीं कक्षा का छात्र है। उसकी स्थिति गंभीर होने पर उसे बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। वहीं 11 वर्षीय प्रियांशु कुमार, पिता बिहार उरांव, कदमहवा निवासी का इलाज बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और मौके पर हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम पहुंची और भीड़ को शांत कराया। प्रशासन ने मृतक के परिजनों को आपदा राहत मद से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि भवन काफी पुराना होने के कारण छज्जा गिरा।स्थानीय लोगों ने विद्यालय भवनों की जर्जर स्थिति पर नाराजगी जताते हुए त्वरित मरम्मत की मांग की है। देर रात निवर्तमान विधायक और भाजपा प्रत्याशी राम सिंह भी अस्पताल पहुंचे और घायलों व परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई और राहत सहायता देने की मांग की है। जिले के अधिकारियों ने भी जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई का विश्वास दिलाया है। इस हादसे से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

चुनाव प्रभावित करने की कोशिश नाकाम, तीन लाख ग्यारह हजार रुपये के साथ चार गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश को लेकर छतौनी थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है। सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर उड़नदस्ता दल मोतिहारी-19 के दंडाधिकारी और पुलिस अधिकारियों ने छोटा बरियारपुर स्थित हरि सिंह के मकान पर छापामारी की। छापे के दौरान मतदाताओं के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईपीक नंबर सहित संदिग्ध दस्तावेज़ों के साथ तीन लाख ग्यारह हजार रुपये नगद बरामद किए गए। छापामारी के बाद दंडाधिकारी के बयान पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज करते हुए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में छोटा बरियारपुर वार्ड-39 निवासी हरि सिंह और मो. कलीमुल्लाह अंसारी, शांतिपुरी वार्ड-22 निवासी लक्ष्मी प्रसाद तथा बड़ा बरियारपुर वार्ड-44 निवासी प्रमोद कुमार शामिल हैं। इस कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-01) दिलीप कुमार ने किया। उनके साथ दंडाधिकारी नवनीत प्रकाश, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, परि. पु. अ.नि. रजनीश कुमार, पु. अ.नि. ब्रजेश कुमार सिंह, जिला आसूचना इकाई टीम और छतौनी थाना सशस्त्र बल शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी के द्वारा किया गया कंट्रोल रूम का निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

कंट्रोल रूम के माध्यम से आज के मतदान की संपूर्ण गतिविधि की जानकारी रखी जा रही है। ज्ञातव्य है कि जिला के सभी मतदान केंद्रों पर दो-दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कैमरा मतदान कक्ष के अंदर लगा हुआ है जबकि दूसरा कैमरा मतदान केंद्र पर बाहर लगा हुआ है। इन कैमरों के द्वारा संपूर्ण गतिविधियों की जानकारी कंट्रोल रूम को मिलेगी।

बच्चों ने दिया मतदान का संदेश

बीएनएम @ जमुई

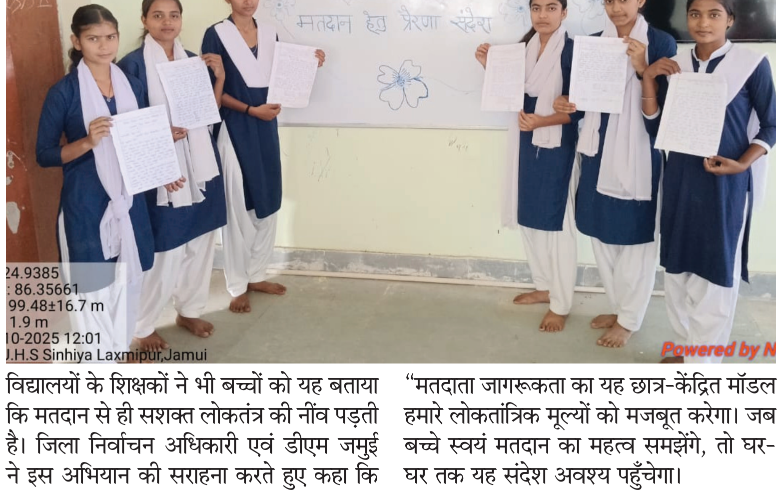

विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान जोरों पर है। शिक्षा विभाग, जमुई के स्वीप कोषांग के अंतर्गत सोमवार को विभिन्न विद्यालयों में निर्वाचक साक्षरता क्लब (ELC) की मदद से एक विशेष चेतना सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में बच्चों को लोकतंत्र के एम्बेसडर के रूप में तैयार कर उनके जरिए अभिभावकों तक मतदान का संदेश पहुँचाने की पहल की गई। उत्क्रमित उच्च विद्यालय बुझायत खैरा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय गुहिया चकाई, उत्क्रमित उच्च विद्यालय खरडीह, उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिंघिया लक्ष्मीपुर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय चितोचक झाझा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोखुला फतेहपुर सिकंदरा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय टाल सहरसा तथा +2 प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय सिकंदरा के छात्र-छात्राओं ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने पोस्टर, नारे और लघु नाटिका के माध्यम से संदेश दिया कि "मतदान मात्र अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है"। विद्यालयों के शिक्षकों ने भी बच्चों को यह बताया कि मतदान से ही सशक्त लोकतंत्र की नींव पड़ती है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीएम जमुई ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि "मतदाता जागरूकता का यह छात्र-केंद्रित मॉडल हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करेगा। जब बच्चे स्वयं मतदान का महत्व समझेंगे, तो घर-घर तक यह संदेश अवश्य पहुँचेगा।

बिहार विधानसभा चुनावः रक्सौल में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए नियंत्रण कक्ष सक्रिय

» मतदान दिवस पर सुबह 6 बजे से रहेगी 24 घंटे मॉनिटरिंग व्यवस्था

बीएनएम @ रक्सौल

बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 के दौरान मतदान दिवस (11 नवंबर 2025) को निर्बाध और सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रक्सौल विद्युत कार्यपालक अभियंता कार्यालय की ओर से एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना की गई है। यह पहल कार्यपालक विद्युत अभियंता अजय कुमार के निर्देशन में की गई है। रक्सौल विद्युत आपूर्ति प्रमंडल स्तर पर बनाया गया यह कंट्रोल रूम किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता के लिए तैयार रहेगा। इसका संपर्क नंबर 9264456406 जारी किया गया है। कंट्रोल रूम सुबह 6:00 बजे से लेकर मतदान समाप्ति तक सक्रिय रहेगा। विभिन्न उपकेंद्रों पर अभियंताओं और कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि आपूर्ति व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखी जा सके।

तैनात प्रमुख अधिकारी और उनके संपर्क नंबरः

- **अनुज कुमार (लेखा पदाधिकारी)** – मो. नं. 7763815143 | 132/33 केवी ग्रिड सब स्टेशन, बेला, रामगढ़वा
- **सुनील रंजन कुमार (सहायक विद्युत अभियंता)** – मो. नं. 7763815198 | 132/33 केवी ग्रिड सब स्टेशन, बेला
- **आलोक कुमार सिंह (स.वि.अ.)** – मो. नं. 7763815199 | 33/11 केवी उपकेंद्र, बनकटवा
- **धीरज कुमार (क.वि.अ.)** – मो. नं. 9262892568 | 33/11 केवी उपकेंद्र, मठिया भोपत
- **प्रीतम कुमार बंटी (क.वि.अ.)** – मो. नं. 7763814818 | 33/11 केवी उपकेंद्र, आदापुर
- **बबलू कुमार (क.वि.अ.)** – मो. नं. 7763818870 | 33/11 केवी उपकेंद्र, छौड़ादानो
- रवि कुमार (क.वि.अ.) – मो. नं. 7763814814 | 33/11 केवी उपकेंद्र, रक्सौल
- मनीष कुमार (क.वि.अ.) – मो. नं. 7763814815 | 33/11 केवी उपकेंद्र, पलनवा

कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने सभी कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा सतत निगरानी के साथ अद्यतन रिपोर्ट साझा करते रहें। रक्सौल विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की यह पहल निर्वाचन प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के संपन्न कराने में सहायक सिद्ध होगी।

संक्षिप्त समाचार

नवंबर में ही कांपा बिहार, गया सबसे ठंडा जिला,कई जगह तापमान 15 डिग्री से नीचे

बीएनएम @ पटना। बिहार में इस साल ठंड ने उम्मीद से पहले दस्तक दे दी है। नवंबर की शुरुआत में ही पछुआ हवाओं के असर से राज्य के कई जिलों में तापमान गिर गया है। रविवार को गया राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बक्सर में 14.3°C, औरंगाबाद में 13.9°C, शेखपुरा में 14.4°C, मधुबनी में 14.5°C और अरवल में 15°C तापमान रिकॉर्ड किया गया।सुबह और रात के समय ठिठुरन तेज हो गई है। लोग रजाई और स्वेटर निकालने लगे हैं, जबकि दिन में हल्की धूप के बावजूद पछुआ हवाओं की वजह से सर्दी का असर कम नहीं हो रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन से चार दिनों में राज्य का तापमान और 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है।भारतीय मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, पछुआ हवाएं 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही हैं, जिससे न्यूनतम तापमान 12 से 16 डिग्री और अधिकतम 28 से 32 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय कोहरा और शाम को ठंडी हवाएं लोगों को और परेशान करेंगी।मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि इस साल ठंड पिछले साल की तुलना में करीब 5 डिग्री अधिक है। उदाहरण के तौर पर, पिछले वर्ष 8 नवंबर को पटना का तापमान 22.8°C था, जबकि इस बार यह घटकर 17.8°C रह गया। नवंबर में ही जनवरी जैसी सर्दी ने लोगों को चौंका दिया है।

11 नवंबर को नीतीश सरकार के 11 मंत्रियों की सियासी परीक्षा, तीन महिला मंत्री बनीं केंद्र बिंदु

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 11 नवंबर को मतदान होना है। इस चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार के 11 मंत्रियों की किस्मत दांव पर है। इनमें तीन महिला मंत्रियों — भाजपा की रेणु देवी, जदयू की शीला मंडल और लेसी सिंह — की सीटों पर मुकाबला खासा दिलचस्प है।बेतिया से भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी छठी बार जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके सामने कांग्रेस के वसी अहमद और जन सुराज के अनिल कुमार सिंह जैसे उम्मीदवार मैदान में हैं। मधुबनी की फुलपरास सीट पर परिवहन मंत्री शीला मंडल कांग्रेस के सुबोध मंडल और जन सुराज के जलेंद्र मिश्रा से जूझ रही हैं। वहीं, पूर्णिया की धमदाहा सीट से जदयू मंत्री लेसी सिंह को राजद के उम्मीदवार और पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा से कड़ी चुनौती मिल रही है।इन तीनों महिला मंत्रियों की उम्मीदें इस बार महिला मतदाताओं के अधिक मतदान पर टिकी हैं। पहले चरण में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही थी। इसके अलावा नीतीश सरकार के वरिष्ठ मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, जयंत राज, नीतीश मिश्रा और नीरज बबलू जैसे नेताओं की भी प्रतिष्ठा दांव पर है। 11 नवंबर का मतदान यह तय करेगा कि नीतीश कैबिनेट के कितने मंत्री जनता की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

कौआकोल में 110 गर्भवती माताओं का किया गया स्वास्थ्य जांच

बीएनएम @ कौआकोल। कौआकोल पीएचसी में सोमवार को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत शिविर आयोजित कर 110 गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। शिविर में उपस्थित गर्भवतियों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा खून, यूरिन, वजन, हेमोग्लोबीन आदि की जांच कर उन्हें पौष्टिक आहार, हरी सब्जियां, फल, दूध आदि नियमित रूप से लेने के साथ ही खान पान विशेष ध्यान देने की बात कही गई। चिकित्सकों द्वारा आहार में उन्हें नियमित रूप से हरी सब्जियां एवं दूध लेने की सलाह दिए गए। शिविर में उपस्थित गर्भवती माताओं को समय समय पर आवश्यक रूप से चिकित्सीय सलाह लेते रहने की भी हिदायत दिये गए। इस दरम्यान गर्भवती महिलाओं को अस्पताल प्रबंधन द्वारा आवश्यकतानुसार जरूरी दवाईयां भी उपलब्ध कराए गए।

13 से 16 नवंबर तक मनाया जाएगा आर्यसमाज का 92वां वार्षिकोत्सव

बीएनएम @ रजौली। 13 से 16 नवंबर तक आर्यसमाज, रजौली का 92वां वार्षिकोत्सव सह डीएवी पब्लिक स्कूल रजौली का 14वां स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा। आर्यसमाज रजौली के मंत्री विजय कुमार ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में वेद कथा की अमृत वर्षा होगी। यज्ञ के ब्रह्मा उत्तर प्रदेश के आगरा के पूज्य आचार्य विवेक दर्शनाचार्य के पावन सानिध्य में पंजाब के चंडीगढ के प्रसिद्ध भजन ऑपरेशन सिक नवादा के मर फोकी भजनोपदेशक पंडित जगत सिंह एवं नवादा के मरपो की भजनोपदेशिका आचार्या प्रियवंदा आर्या के द्वारा सुमधुर भजन एवं उपदेश प्रस्तुत किया जाएगा। 13 नवंबर की सुबह 10 बजे झंडोत्तोलन, 10:30 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन व दोपहर 1:30 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक यज्ञ प्रवचन एवं भजन तथा रात्रि 7 बजे से साढ़े 10 बजे तक भजनोपदेश एवं प्रवचन होगी।

इलाज कराने आए वालक की मौत,परिजनों ने क्लिनिक में किया हंगामा

बीएनएम @ एकंगरसराय (नालंदा): इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत से सोमवार को अफरा-तफरी मच गई। मामला हिलसा थाना क्षेत्र के जूनियर चकजोहरा गांव का है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शंकर कुमार अपने तीन वर्षीय पुत्र विशाल कुमार को उपचार के लिए एकंगरसराय स्थित गोपाल क्लिनिक लेकर आए थे। इलाज के दौरान ही बच्चे की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।बच्चे की मौत की खबर फैलते ही परिजन भड़क उठे और क्लिनिक परिसर में हंगामा करने लगे। सूचना पर एकंगरसराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस बीच, चिकित्सक डॉ. द्वारका प्रसाद स्वयं थाने पहुंचे और उन्होंने पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।मृतक के पिता शंकर कुमार ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दी है। उधर, कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधि परिजनों और चिकित्सक के बीच समझौते का रास्ता निकालने की कोशिश में जुटे हैं ताकि मामला शांतिपूर्वक सुलझाया जा सके।कई लोगों ने कहा कि किसी भी चिकित्सक की इच्छा नहीं होती कि इलाज के दौरान मरीज के साथ अनहोनी हो, परंतु इस तरह की घटनाओं के बाद डॉक्टरों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जाता है, उससे वे गंभीर मरीजों का इलाज करने से कतराने लगते हैं।

बिहार विधानसभा चुनावः 3.70 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे इस्तेमाल

दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान आज, 1302 उम्मीदवार मैदान में

सत्ता की चाबी इस चरण से होगी तय होगी,1165 पुरुष, 136 महिलाएं और एक थर्ड जेंडर प्रत्याशी शामिल

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का सबसे अहम दौर आज यानी मंगलवार को होने जा रहा है। दूसरे और अंतिम चरण में कुल 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। चुनाव आयोग की निगरानी में हो रहे इस चरण को निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि विशेषज्ञों के मुताबिक जो दल इस चरण में बढ़त बनाएगा, वही सरकार बनाने की दौड़ में सबसे आगे रहेगा।दूसरे चरण में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें 122 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। इस चरण में 3 करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1.93 करोड़ पुरुष और 1.77 करोड़ महिला मतदाता हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा, हालांकि नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा कारणों से मतदान समय घटाया गया है।इस चरण की सीटों में मिथिलांचल, सीमांचल, मगध और पटना क्षेत्र के इलाके शामिल हैं, जहां जातीय समीकरण, स्थानीय मुद्दे और उम्मीदवारों की साख अहम भूमिका निभा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन क्षेत्रों में न सिर्फ एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधी टक्कर है, बल्कि जन सुराज पार्टी और एआईएमआईएम जैसी नई ताकतें भी समीकरण बिगाड़ सकती हैं।एनडीए इस बार पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में है। बीजेपी 53, जेडीयू 44, हम 6, आरएलएसपी 4 और एलजेपी (रामविलास) 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दूसरी ओर महागठबंधन में आरजेडी 71, कांग्रेस 37, वीआईपी 7, माले 7, सीपीआई 4 और सीपीएम 1 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। दोनों गठबंधनों के बीच इस बार मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मिथिलांचल और सीमांचल के वोट पैटर्न इस बार निर्णायक साबित हो सकते हैं। किशनगंज, कटिहार, मधेपुरा, दरभंगा और सीतामढ़ी जैसे जिलों में मुस्लिम-यादव और अति पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी पर सभी दलों की नजर है। वहीं पटना, नालंदा और गया जैसे शहरी इलाकों में विकास और रोजगार के मुद्दे चुनावी केंद्र में हैं।इस चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अकील हबीब और चिराग पासवान की प्रतिष्ठा दांव पर है। नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा और तेजस्वी यादव के मजबूत गढ़ गोपालगंज-सारण क्षेत्र में वोटिंग को लेकर दोनों पक्षों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।इस चरण में जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर भी कई सीटों पर मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं। किशोर की पार्टी ने 120 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम 21 सीटों पर मैदान में है। दोनों दल खासतौर पर सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम और युवा मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं।राजनीतिक माहौल को देखते हुए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। लगभग 1.25 लाख अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी और लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।दूसरे चरण की समाप्ति के साथ ही बिहार में सत्ता की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। पहले चरण की 121 सीटों के साथ मिलाकर 243 में से कुल 122 सीटों का यह दौर निर्णायक साबित होगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी और उसी दिन यह तय होगा कि बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को एक बार फिर मौका दिया है या तेजस्वी यादव को सत्ता की कुर्सी सौंपी है।

बिहार चुनाव : दूसरे चरण की वोटिंग से पहले किले में तबदील हुए 20 जिले

- सभी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं सील, 1650 कंपनियों की तैनाती
- राज्य में 1,650 कंपनियों के सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण का प्रचार रविवार शाम 6 बजे थम गया। कल 11 नवंबर को राज्य के 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। सुरक्षा एजेंसियों ने इस चरण को लेकर अभूतपूर्व तैयारी की है। सभी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को सील कर दिया गया है और पूरे राज्य में 1,650 कंपनियों के सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि पहले चरण की तुलना में इस बार सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई है। भारत-नेपाल सीमा से सटे सात जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है, जबकि झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सीमाओं से लगे इलाकों में भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय सीमाएं शनिवार से ही सील कर दी गई थीं, जबकि अंतरराज्यीय सीमाओं को रविवार शाम तक बंद कर दिया गया।इस चरण में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1165 पुरुष, 136 महिलाएं और एक थर्ड जेंडर प्रत्याशी शामिल हैं। चुनाव आयोग के अनुसार करीब 3.70 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें 595 पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित और 91 बूथ दिव्यांग मतदाताओं द्वारा चलाए जाएंगे। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि चुनाव पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

सीमांचल की 24 सीटों पर 'विकास बनाम वोट बैंक' की जंग

दो भाइयों की भिड़ंत से लेकर पूर्व डिप्टी सीएम की प्रतिष्ठा दांव पर

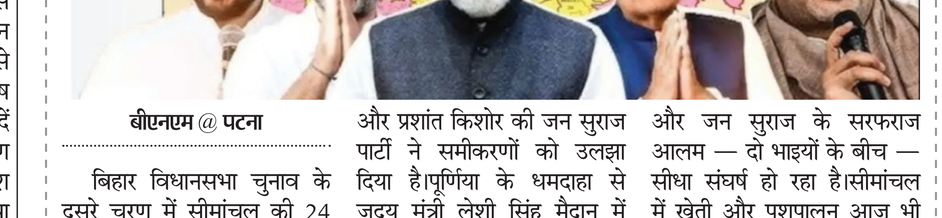

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सीमांचल की 24 सीटें सबसे अहम मानी जा रही हैं। पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज के इस इलाके में हमेशा से वोट बैंक की राजनीति का प्रभाव रहा है, लेकिन इस बार बाढ़, पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे चुनावी एजेंडा में हावी हैं। एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि ओवैसी की एआईएमआईएम और प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने समीकरणों को उलझा दिया है।पूर्णिया के धमदाहा से जदयू मंत्री लेशी सिंह मैदान में हैं, जबकि अररिया की सिकटी सीट पर भाजपा के विजय कुमार मंडल अपनी साख बचाने की कोशिश में जुटे हैं। कटिहार सदर सीट पर पूर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद का मुकाबला वीआईपी के सौरभ अग्रवाल से है, जिससे लड़ाई दिलचस्प बन गई है। अररिया की जोकीहाट सीट पर राजद के शहनवाज आलम और जन सुराज के सरफराज आलम — दो भाइयों के बीच — सीधा संघर्ष हो रहा है।सीमांचल में खेती और पशुपालन आज भी जीवन का आधार है। मक्का और मखाना ने नई संभावनाएँ खोली हैं, लेकिन रोजगार और शिक्षा की कमी ने युवाओं को पलायन के लिए मजबूर किया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि 11 नवंबर को मतदाता विकास के मुद्दे को प्राथमिकता देते हैं या फिर परंपरागत वोट बैंक की राजनीति एक बार फिर हावी रहती है।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शामिल जिला आइकॉन व अन्य

बीएनएम @ नारदीगंज(नवादा)

विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को प्राथमिक विद्यालय रामपुर व प्राथमिक विद्यालय सीतारामपुर में मतदाता जागरुकता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। यह कार्यक्रम डीएम के निर्देशानुसार जिला आइकन (निर्वाचन) राहुल वर्मा व उनके सहयोगी ने उपस्थित लोगों को वोट की महत्ता व अधिकर के बारें में जानकारी दी। वे 11 नवम्बर 2025 को होने वाले विधानसभा चुनाव में वोट देने के लिए जागरुक किया। जिला आइकन (निर्वाचन) राहुल वर्मा ने कहा लोकतंत्र में मतदान का बहुत बड़ा महत्व है। देश का नागरिक का कर्तव्य व अधिकार है कि अपना बहुमूल्य वोट एक अच्छे उम्मीदवार को अवश्य दें। मतदान केंद्र पर जाय। और आसपास के लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। इस वोट की प्रतिशत को बढ़ाने में आप सभी की सहभागिता आवश्यक है। तो आप वोट दे सकते हैं। एक वोट छुट्टे नहीं। अपने घर मुहल्ले के लोगों को वोट डालने के लिए जागरूक करें। 18 वर्ष पूरी कर लेने वाले नए मतदाता हैं। जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो चुका है। उन्हें मतदान करने का अधिकार प्राप्त हो गया है। मौके पर बीएलओ बिनोद कुमार,प्रभारी कांति कुमारी समेत अन्य शिक्षक व छात्र छात्राएं शामिल हुए।

बिहार में बैठकर अधिकारियों को धमका रहे अमित शाहः तेजस्वी

तेजस्वी का वीडियो-आधारित इल्जाम, कहा मेरे पास स्क्रीनशॉट भी हैं

बीएनएम @ पटना

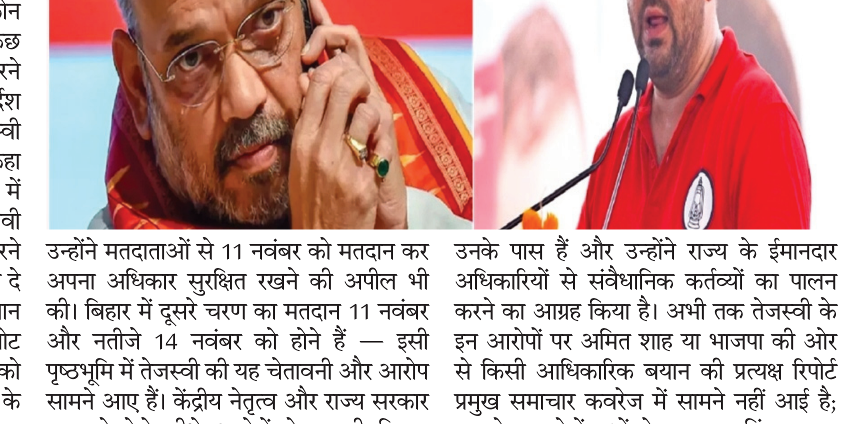

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से एक दिन पहले राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री कार्यालय पर चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने का गंभीर आरोप लगाया। तेजस्वी का कहना है कि अधिकारियों को फोन कर डराया-धमकाया जा रहा है और कुछ अधिकारियों को रात को बुलाकर उनके ठहरने वाले होटलों के सीसीटीवी बंद कराने के निर्देश दिए जा रहे है | जिनके स्क्रीनशॉट भी तेजस्वी ने मिलने का दावा किया है। तेजस्वी ने कहा कि कुछ भ्रष्ट अधिकारी और उनके संरक्षण में आने वाली पार्टी वर्जना की मित्र मंडली चुनावी दिन महागठबंधन समर्थक बूथों को डिस्टर्ब करने और कार्यकर्ताओं को डिटेन करवाने के निर्देश दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि SIR अभियान से मतदाताओं में सजगता आई है और लोग वोट चोरी की घटनाओं के खिलाफ खड़े होने को तैयार हैं — इसलिए अधिकारियों के फोन के स्क्रीनशॉट उन्हें भेजे जा रहे हैं। राजनीतिक पारा गरमाने के बीच तेजस्वी ने दावा किया कि यह सब सत्ता-विरोधी लहर को रोकने की कोशिशें हैं और जनता चुनाव के जरिए बदलाव दिखाएगी। उन्होंने मतदाताओं से 11 नवंबर को मतदान कर अपना अधिकार सुरक्षित रखने की अपील भी की। बिहार में दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर और नतीजे 14 नवंबर को होने हैं — इसी पृष्ठभूमि में तेजस्वी की यह चेतावनी और आरोप सामने आए हैं। केंद्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार पर लगे ऐसे सीधे आरोपों ने चुनावी विवाद और बढ़ा दिया है। समाचार रिपोर्टों के मुताबिक तेजस्वी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि अधिकारियों को फोन करने वालों के स्क्रीनशॉट उनके पास हैं और उन्होंने राज्य के ईमानदार अधिकारियों से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया है। अभी तक तेजस्वी के इन आरोपों पर अमित शाह या भाजपा की ओर से किसी आधिकारिक बयान की प्रत्यक्ष रिपोर्ट प्रमुख समाचार कवरेज में सामने नहीं आई है; मामले पर दोनों पक्षों के बयान चुनिंदा लाइव अपडेट्स और टीवी कवरेज का हिस्सा रहे हैं। चुनाव प्रशासन या पुलिस की ओर से भी मीडिया रिपोर्टों में तुरंत कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं दिखी।

बिहार चुनाव : एनडीए में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं: सम्राट चौधरी

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि "NDA में मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है, नीतीश कुमार आज भी मुख्यमंत्री हैं और कल भी रहेंगे।" उनका यह बयान उन अटकलों पर सीधा जवाब माना जा रहा है जिनमें भाजपा-नीतीश के बीच मतभेद की चर्चा हो रही थी।सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए का प्रचार अभियान "विकास और स्थिरता" पर केंद्रित रहा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा ने जनता का अभूतपूर्व समर्थन जुटाया। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण की वोटिंग में एनडीए को लगभग 100 सीटों पर बढ़त मिली है और जनता ने एक बार फिर "विकास और सुशासन" को चुना है।लालू यादव परिवार पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, "अब बिहार में लालटेन युग खत्म हो चुका है। ना अब दुकान में लालटेन मिलता है, ना घर में।" उन्होंने कांग्रेस और गांधी परिवार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि "बिहार लोकतंत्र की जननी है, यहां जनता तय करती है कि कौन कहां बैठेगा। कांग्रेस ने 55 साल देश को लूटा और पिछड़ों-दलितों के अधिकारों को दबाया, अब जनता सबक सिखाएगी।"सम्राट चौधरी के इस बयान से भाजपा ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर एनडीए में किसी तरह की असमंजस की गुंजाइश नहीं है।

जनता बदलाव के मूड में, नई दिशा में कदम बढ़ाने को तैयारः दीपांकर भट्टाचार्य

'बिहार में चल रही सत्ता-विरोधी लहर

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बड़ा दावा किया है। रविवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि इस बार बिहार की जनता पूरी तरह से बदलाव के मूड में है और महागठबंधन ने जनता के असली मुद्दों — महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और महिलाओं की सुरक्षा — को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ा है।दीपांकर ने कहा कि महागठबंधन के संकल्प पत्र में आम जनता की जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें 200 यूनिट मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी, महिलाओं को कर्ज से राहत, किसानों की सुरक्षा और कानून के शासन की बहाली जैसे ठोस वादे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर माले कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव तक प्रचार किया और जनता से जबरदस्त समर्थन मिला है।

'पहले चरण की रिकॉर्ड वोटिंग सत्ता-विरोधी लहर का संकेत- भट्टाचार्य ने कहा कि पहले चरण में हुई रिकॉर्ड तोड़

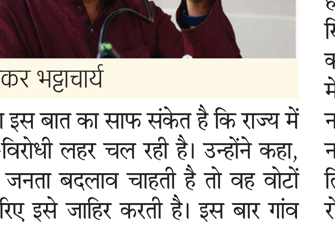

दीपांकर भट्टाचार्य

वोटिंग इस बात का साफ संकेत है कि राज्य में सत्ता-विरोधी लहर चल रही है। उन्होंने कहा, "जब जनता बदलाव चाहती है तो वह वोटों के जरिए इसे जाहिर करती है। इस बार गांव से लेकर शहर तक हर वर्ग में जो सजगता और उत्साह दिखा है, वह इसी बदलाव का प्रतीक है।"उन्होंने कहा कि गरीबों, प्रवासियों और अल्पसंख्यकों के बीच एक नई एकजुटता दिखाई दे रही है। मतदाताओं को अब एहसास हो गया है कि वोट छीनने की कोशिशों के खिलाफ उन्हें खुद खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि "अगर पिछले 20 वर्षों में सच में विकास हुआ होता तो सत्ताधारी दल को नफरत और विभाजन की राजनीति का सहारा नहीं लेना पड़ता।"माले की वरिष्ठ नेता मीना तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की महिला रोजगार योजना के तहत दिए गए 10 हजार रुपये का कोई असर जमीनी स्तर पर नहीं दिखा। "महिलाओं में सरकार के प्रति गहरा असंतोष है और वे बदलाव चाहती हैं," उन्होंने कहा। वहीं, दीघा विधानसभा सीट से माले प्रत्याशी दिव्या गौतम ने दावा किया कि युवाओं में इस बार अभूतपूर्व राजनीतिक चेतना देखी जा रही है। "बिहार का नौजवान अब ठान चुका है — इस बार बदलाव होकर रहेगा," उन्होंने कहा की 'यह चुनाव सत्ता परिवर्तन नहीं, जन-जागरण का प्रतीक है |माले नेताओं का दावा है कि इस बार बिहार के मतदाता पुराने ढर्रे की राजनीति को छोड़कर एक नई दिशा में कदम बढ़ाने को पूरी तरह तैयार हैं।

संपादकीय

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा। यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है। पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आप्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षतः पुष्ट करते हुए कह दिया, मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया। आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 -पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों की नई रोशनी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपरभारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बिजली न केवल आर्थिक प्रगति का आधार है, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर का माध्यम भी है। औद्योगिकीकरण,कृषि, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, और घरेलू जीवन, सभी क्षेत्रों की नींव ऊर्जा पर टिकी है। लेकिन बीते कुछ दशकों में यह क्षेत्र गहरे संकट से जूझता रहा है,भ्रष्टाचार, चोरी, घाटा, और जवाबदेही की कमी।इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 का मसौदा जारी किया है तथा मिनिस्ट्री ऑफ़ पावर ने 9 अक्टूबर 2025 को बिल का मसौदा विरोध आम जनता के सुझाव अनुशंसा दर्ज करने के लिए जारी किया था,सुझाव भेजने की अंतिम तिथि 8 नवंबर 2025 थीं।भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 ऊर्जा क्षेत्र में सबसे बड़े सुधारों में से एक माना जा रहा है।इसका उद्देश्य है, बिजली वितरण में पारदर्शिता लाना, उपभोक्ताओं को अधिकार देना, बिजली चोरी और भ्रष्टाचार को समाप्त करना, और देश को "ऊर्जा न्याय" की दिशा में ले जाना।यह विधेयक केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि ऊर्जा शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।इसका उद्देश्य न केवल वितरण प्रणाली को सशक्त बनाना है,बल्कि उन "छिपे हुए रिसावों" को रोकना भी है जो दशकों से बिजली विभाग की जड़ों को खोखला कर रहे हैं।यह बिल इस विचार पर आधारित है कि जब तक सिस्टम पारदर्शी, डिजिटल औरजवाबदेह नहीं बनेगा, तब तक उपभोक्ता चाहे किसान हो, गृहस्थ हो या उद्योगपति,वास्तविक न्याय से वंचित रहेगा। बिजली कर्मचारी संगठन ने 30 जनवरी 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।उनका कहना है कि यह बिल निजीकरण की राह खोलता है और सरकारी कंपनियों को कमजोर करेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि निजीकरण का खतरा या प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता?कर्मचारी संगठनों की सबसे बड़ी आपत्ति "निजीकरण"पर है। उनका डर है कि यह बिल निजी कंपनियों को बिजली वितरण के क्षेत्र में प्रवेश दिलाकर सरकारी ढांचे को कमजोर करेगा।परंतु वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो कई देशों,जैसे ब्रिटेन,जर्मनी,जापान ने प्रतिस्पर्धी वितरण प्रणाली से सेवा गुणवत्ता में सुधार किया है।भारत में भी यदि यह व्यवस्था नियामक निगरानी के साथ लागू की जाए,तो यह निजीकरण नहीं बल्कि "साझा उत्तरदायित्व मॉडल" बन सकती है।सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि उद्देश्य सरकारी ढांचे को खत्म करना नहीं बल्कि दक्षता बढ़ाना है।

साथियों बात अगर हम बिजली संशोधन बिल 2025 को समझने की करें तो,यह 2003 के इलेक्ट्रिसिटी एक्ट, में व्यापक संशोधन लाने वाला प्रस्ताव है। इस विधेयक के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं (1)बिजली वितरण में प्रतिस्पर्धा लाना- अब एक ही क्षेत्र में एक से अधिक कंपनियाँ बिजली सप्लाई कर सकेंगी।यानें उपभोक्ता को यह अधिकार होगा कि वह किस कंपनी से बिजली लेनी है, यह स्वयं तय करे। (2) बिजली चोरी रोकने के लिए कड़े दंड-विधेयक में बिजली चोरी, लाइन टैपिंग और फर्जी बिलिंग के मामलों में कठोर दंड और आर्थिक दंड का प्रावधान है। (3)नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा- कंपनियों को अपनी बिजली सप्लाई में एक निश्चित प्रतिशत ग्रीन एनर्जी (सौर, पवन) शामिल करनी होगी।(4) स्मार्ट मीटर अनिवार्यता- देशभर में धीरे-धीरे स्मार्ट प्रीपेड मीटर प्रणाली लागू करने की दिशा में यह बिल बड़ा कदम है, जिससे उपभोक्ता अपने बिजली उपयोग और भुगतान पर वास्तविक नियंत्रण पा सके।(5) राज्य विद्युत विनियामक आयोगों की शक्ति बढ़ाना- पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नियामक संस्थाओं को अधिक अधिकार दिए गए हैं।(6) डिजिटल ट्रैकिंग और बिलिंग सुधार-भ्रष्टाचार व घूसखोरी रोकने हेतु डिजिटल मीटरिंग, ऑनलाइन भुगतान और उपभोक्ता सेवा पोर्टल को बढ़ावा मिलेगा।सरकार का तर्क है कि यह विधेयक "उपभोक्ता केंद्रित सुधार" है,जो बिजली क्षेत्र में दक्षता,जवाबदेही औरपारदर्शिता को नई दिशा देगा।यह बिल इलेक्ट्रिसिटी एक्ट, 2003 में व्यापक संशोधन करता है। इसमें उपभोक्ताओं को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपनी पसंद की बिजली वितरण कंपनी चुन सकें, यानी अब एक ही क्षेत्र में एक से अधिक कंपनी बिजली सप्लाई कर सकेंगी। साथ ही स्मार्ट मीटरिंग, ऑनलाइन बिलिंग, और ग्रीन एनर्जी को अनिवार्य बनाया गया है।बिल का सबसे अहम हिस्सा है 1,बिजली चोरी और भ्रष्टाचार पर कठोर दंड का प्रावधान।

साथियों बात अगर हम बिजली चोरी और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, "तारों से ईमानदारी तक" को समझने की करें तो भारत में बिजली चोरी का इतिहास बहुत पुराना है।"कांटा लगाना", "मीटर से छेड़छाड़ करना", "लाइन से सीधे कनेक्शन जोड़ना",ये सब ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में आम प्रथाएँ बन चुकी थीं।2025 का संशोधन विधेयक अब इन सभी को अपराध की श्रेणी में लाता है और कठोर दंडात्मक प्रावधानों के साथ इसे रोकने की दिशा में ठोस तंत्र बनाता है। पहले,विभागीय कर्मचारी, लाइनमैन, इंजीनियर और स्थानीय ठेकेदारों की मिलीभगत से बिजली चोरी न केवल संभव थी बल्कि कई बार "सिस्टम का हिस्सा" बन चुकी थी।अब बिल में स्वचालित मीटर रीडिंग सिस्टम रिमोट डिसकनेक्शन फीचर, और एआई आधारित निगरानी व्यवस्था को शामिल किया गयाहै,जैसे ही किसी उपभोक्ता के मीटर में असामान्य पैटर्न दिखेगा, सिस्टम अपने आप उसे चिन्हित करेगा और स्वचालित जांच प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।इसका एक बड़ा सामाजिक प्रभाव यह होगा कि अब भ्रष्टाचार का "मानव चेन" टूटेगा लाइनमैन से लेकर इंजीनियर और उच्चाधिकारी तक, जिनकी मिलीभगत से चोरी को संरक्षण मिलता था, अब डिजिटल निगरानी और जवाबदेही के घेरे में आएंगे।यह विधेयक इस बात को भी स्वीकार करता है कि विभागीय भ्रष्टाचार का बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ता है। जब हजारों यूनिट चोरी होती है, तो विभाग घाटे में जाता है और फिर उस घाटे की भरपाई बिजली दरों में बढ़ोतरी के रूप में ईमानदार उपभोक्ता से की जाती है। इसीलिए, चोरी और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की प्रक्रिया है।

साथियों बात अगर हम बिजली वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही के युग को समझने की करें तो बिजली संशोधन बिल 2025 का सबसे बड़ा लक्ष्य है, वितरण प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित करना। वर्षों से बिजली वितरण कंपनियों पर यह आरोप लगता रहा है कि वे घाटे में हैं, जबकि समानांतर में चोरी और भ्रष्टाचार का जाल पूरे विभाग में फैला हुआ है।नई व्यवस्था में स्मार्ट मीटर, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम, और उपभोक्ता आधारित रियल टाइम बिलिंग प्रणाली का समावेश किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिजली के हर यूनिट की खपत और राजस्व का सीधा रिकॉर्ड बने, जिससे कोई भी बीच में "मीटर से खेल" न कर सके। सरकार के मुताबिक, मीटरिंग, बिलिंग और कलेक्शन का डिजिटलीकरण अबअनिवार्य होगा। इससे "मानव हस्तक्षेप" घटेगा, और वही तत्व जो अब तक "मीटर पीछे करने" या तारों पर कांटा लगाकर चोरी करने जैसी पुरानी तकनीकों से विभाग को नुकसान पहुंचाते थे, उनकी भूमिका स्वतः समाप्त हो जाएगी।अब हर खपत का डेटा क्लाउड सर्वर पर दर्ज होगा। यह न केवल राज्य विद्युत नियामक आयोगों को निगरानी में सहायता देगा, बल्कि उपभोक्ता को भी यह देखने की सुविधा देगा कि उसे कितना और क्यों बिल आया है।यह टेक्नोलॉजी आधारित पारदर्शिता उपभोक्ता के विश्वास को मजबूत करेगी।

साथियों बात अगर हम उपभोक्ता और किसान हित में प्रतिस्पर्धा, निजीकरण और स्मार्ट सिस्टम का लाभ को समझने की करें तो इसमें सबसे मुख्य बात यह है कि निजीकरण और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उपभोक्ताओं को शक्ति देना।यह विधेयक एक देश,अनेक सप्लायर के सिद्धांत को आगे बढ़ाता है।

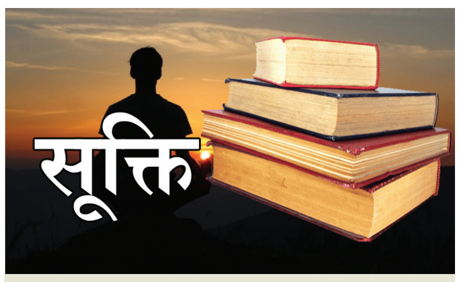

मानव का मानव होना ही उसकी जीत है, दानव होना हार है, और महामानव होना चमत्कार है।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है।
- सरदार पटेल

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि सप्तमी, मंगलवासरे, पुण्य नक्षत्र, शुभ योगे, विव करणे, कर्क की चंद्रमा, भद्रा 27/27 मूल प्रारंभ रात्रि 12/26 सर्वार्थ सिद्ध योग 44/52 उग्र कर्म मु. तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, कुशल शासक-प्रशासक, धनी-मानी, कपड़ा-किराना व्यापारी होगा।

मेष राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, व्यवसायिक वृत्ति में सुधार अवश्य ही होगा।

वृष राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष होगा, इष्ट-मित्रों से कुछ मानसिक बेचैनी बढ़ेगी।

मिथुन राशि :- अनावश्यक बेचैनी तथा धन हानि संभव है, तनाव पूर्ण वातावरण बनेगा।

कर्क राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, इधर-उधर भटकना पड़ेगा, दूसरों के कार्य बनेंगे ध्यान दें।

सिंह राशि :- सतर्कता से कार्य करें, अधिकारी वर्ग असमंजस में रखेगा, वातावरण अनुकूल होगा।

कन्या राशि :- रुके हुये कार्य निपटा लें, बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य बन जायेगा।

तुला राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास तथा कार्य-व्यवसाय गति अनुकूल बनेगी ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- मानसिक विभ्रम रहेगा, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री-वर्ग से हर्ष होगा।

धनु राशि :- तनाव व अरोप से बचिये, वाद-विवाद की संभावना बनेगी, यात्रा होगी।

मकर राशि :- शुभ समाचार हर्षयुक्त रखेगा, स्थिति यथावत् रहे, इष्ट-मित्र सहयोगी होगा।

कुंभ राशि :- चिन्तायें मन को बेचैनी रखेंगी, तनाव, क्लेश व अशांति, मनोबल बढ़ेगा।

मीन राशि :- प्रयत्न निष्फल होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यवसायिक व्यवस्था बनेगी।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

प्रहलाद सबनानी

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है। भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक "थर्ड वे" आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है। भारतीय आर्थिक दर्शन में "विपुलता के सिद्धांत" की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार "प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत" का अनुपालन सुनिश्चित होता था।

टैगोर के राष्ट्रगान : दक्षिण एशिया के बेशकीमती रत्न

राम पुनियानी

भाजपा की वाशिंग मशीन में धुल चुके असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अब एक आक्रामक दक्षिणपंथी हैं। वे समय समय पर मुस्लिम समुदाय को अपमानित करने वाले वक्तव्य देते रहते हैं। यह समुदाय असम में जबरदस्त उपेक्षा झेल रहा है।

हाल में असम में कांग्रेस की एक बैठक में एक कांग्रेसी ने आमार सोनार बांग्ला गीत गाया। सरमा ने अपनी पुलिस को बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने के लिए उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को कहा।

शायद सरमा को इस गाने का इतिहास, जिन हालातों में वह रचा गया और उसके भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से रिश्ते के बारे में जरा भी जानकारी नहीं है। यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि मूल आमार सोनार गीत की केवल शुरूआती 10 पंक्तियों को बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनाया गया।

अपनी फूट डालो और राज करो की नीति के मुताबिक अंग्रेजों ने सन् 1905 में बंगाल का पश्चिम बंगाल और पूर्व बंगाल में विभाजन कर दिया। जाहिर तौर पर इसका कारण प्रशासनिक बताया गया लेकिन उसका असली प्रयोजन स्पष्टतः भारतीयों को धर्म के आधार पर बांटना था। पश्चिमी बंगाल में हिन्दुओं का बहुमत था और पूर्वी बंगाल में मुसलमानों का। इस विभाजन का भारतीयों ने जी जान से विरोध किया। इसी दौरान गुरूदेव ने बांग्ला गौरव को दर्शाने और बंगभंग का विरोध करने के उद्देश्य से यह गाना लिखा। यह गाना बंगाल विभाजन के विरोध की केन्द्रीय धुरी बना गया और आखिरकार अंग्रेजों को बंगाल को दो हिस्सों में बांटने का अपना फैसला वापिस लेना पड़ा।

यहां यह बताना दिलचस्प होगा कि बंगभंग के खिलाफ चले इस आंदोलन और हिन्दू-मुस्लिम एकता को मजबूती प्रदान करने के लिए राखी बांधने-बंधवाने का अभियान भी चला। भारत के बंटवारे की त्रासदी के बाद पूर्वी बंगाल और पश्चिमी पंजाब पाकिस्तान का हिस्सा बने। पाकिस्तान की सत्ता का केन्द्र पश्चिमी पाकिस्तान था। आर्थिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से पश्चिमी पाकिस्तान का बोलबाला रहा आया और इसके नतीजे में पूर्वी पाकिस्तान के निवासी उपेक्षित महसूस करने लगे। घाव पर नमक छिड़कते हुए उर्दू को पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा घोषित कर दिया गया। इससे पूर्वी पाकिस्तान के बांग्ला बोलने वाले मुस्लिम निवासियों में अलगाव की भावना में और इजाफा हुआ। उनमें अलग राष्ट्र बनने की इच्छा जागृत हुई और प्रबल होती गई।

पूर्वी पाकिस्तान को अलग देश बनाने के लिए चले आंदोलन का नेतृत्व मुजीबुर्रहमान ने किया। इन बंगालियों का थीम सांग था आमार सोनार। टैगोर को पूर्वी पाकिस्तान में अत्यंत श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता था। मुक्ति वाहिनी के आंदोलन और इंदिरा गांधी के दक्ष नेतृत्व में भारतीय सेना के सहयोग से सन 1971 में बांग्लादेश नामक नए राष्ट्र का जन्म हुआ। आमार सोनार गीत की प्रथम दस पंक्तियों को बांग्लादेश के राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया गया। मेरे एक पत्रकार मित्र ने मुझे बताया था कि जब वे बांग्लादेश के शीर्षस्थ नेता से मिलने गए तो उन्हें यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि गुरूदेव का चित्र उनके प्रतीक्षा कक्ष में एक प्रमुख स्थान पर लगा हुआ था।

यह गर्व की बात है कि दो पड़ोसी देशों के राष्ट्रगान एक ही कवि द्वारा रचित हैं। यहां यह जानना दिलचस्प होगा कि आमार सोनार की धुन रबीन्द्र संगीत पर आधारित है और इस मनमोहक धुन को संगीत निदेशक समर दास ने तैयार किया था। आमार सोनार के दो बड़े महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहला यह कि यह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति के खिलाफ एक मुख्य थीम सांग था और दूसरा यह कि इसकी शुरूआती दस पंक्तियों को बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनाया गया। टैगोर ने अपने इस योगदान से भारत को गौरवान्वित किया है और इसकी ऐतिहासिक प्रासंगिकता के चलते इसका गायन किसी भी तरह से राष्ट्रविरोधी नहीं माना जा सकता।

गुरूदेव का दूसरा महत्वपूर्ण योगदान है जन गण मन, जिसे भारत के राष्ट्रगान के रूप में चुना गया। भारत का एक राष्ट्रगीत भी है - वंदे मातरम। कुछ दक्षिणपंथी पूरे वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगीत बनवाना चाहते थे। इसमें समस्या यह थी कि इसमें हिन्दू धार्मिक छवियां थीं और शुरूआती दो छंदों के बाद इसमें राष्ट्र को हिंदू देवी दुर्गा के रूप में देखा गया था। यह राष्ट्रीय आंदोलन के धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के निर्माण के सपने के खिलाफ होता। साथ ही मूलतः यह बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास आनंद मठ का हिस्सा है। उपन्यास के मूल संस्करण में एक मुस्लिम शासक के खिलाफ विद्रोह दर्शाया गया है और इस विद्रोह की सफलता के फलस्वरूप अंग्रेजों का राज स्थापित होता है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय आंदोलन की गीत समिति को सर मोहम्मद इकबाल रचित सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा, वंदे मातरम और जन गण मन इन तीनों में से एक का चयन करना था। सारे जहां से अच्छा को इसलिए छोड़ दिया गया क्योंकि इसके रचयिता मोहम्मद इकबाल स्वयं पाकिस्तान चले गए थे। वंदे मातरम को संशोधित करके राष्ट्रगीत बना दिया गया और जन गण मन को राष्ट्रगान के रूप में चुना गया क्योंकि यह भारत की धर्मनिरपेक्ष विविधता को प्रतिबिंबित करता है।

ये आरोप भी लगाए गए कि जन गण मन ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम की स्तुति में लिखा गया था। यह मीडिया में दी गई गलत खबरों के कारण हुआ। जार्ज पंचम द्वारा बंग भंग के फैसले को पलटने का स्वागत करने के दौरान एक ही दिन दो गीत गाए गए थे। पहला था रामानुज चौधरी द्वारा लिखित गीत जो जार्ज पंचम के बंगभंग के फैसले को पलटने की प्रशंसा में था और दूसरा था जन गण मन। एंग्लो इंडियन मीडिया ने यह गलत खबर दी कि जन गण मन जार्ज पंचम की शान में गाया गया था।

एक आरोप यह भी है कि इसमें 'अधिनायक' शब्द का प्रयोग जार्ज पंचम के लिए किया गया है। टैगोर ने यह स्पष्ट किया था कि अधिनायक से आशय है युगों युगों से मनुष्य की नियति का महान सारथी और यह किसी भी तरह से जार्ज पंचम, जार्ज षष्ठम या कोई भी जार्ज नहीं हो सकता।

भाषाई मीडिया ने इसका समाचार सही ढंग से दिया था और टैगोर को ठीक से समझने वाले अध्येताओं ने भी इसकी ऐसी ही व्याख्या की। राष्ट्रगान भारत का सच्चा प्रतिबिंब है। दक्षिणपंथी तत्व पूरे वंदे मातरम गीत को गाने पर जोर देते हैं और इसे राष्ट्रगान पर प्राथमिकता देते हैं। मुझे याद है कि 1992-93 की मुंबई हिंसा के बाद जब शांति मार्च निकाले जा रहे थे, तब इन जुलूसों को हूट करने वाले चिल्ला रहे थे इस देश में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा।

मौन सर्वप्रियता का एक अचूक साधन, वाकशक्ति का सुनियोजन है वाणी

कांतिलाल मांडोत

भारतीय मनीषियों ने हमारी वाणी को वाक्शक्ति बताया है। कहा जाता है जब कोई बोलता है तो वह मनुष्य है और जब मौन हो जाता है तो वह देवता है। यानी वाणी मनुष्य की भाषा है और मौन देवताओं की भाषा है। वाणी में असीम शक्ति है, परन्तु मौन में उससे भी प्रचंड शक्ति है, इसलिए जो साधक साधनाकाल में वाणी पर संयम रखकर मौन साधना करते हैं, मौन के द्वारा उनकी आत्मा के भीतर सुप्त शक्ति प्रचंड बनती है।हमारे प्राचीन साहित्य में वाक्शक्ति वाणी के चार भेद बताये गये हैं। साधारण मनुष्य अपने अन्तःकरण की शक्ति, प्राणों की शक्ति को बोलकर ही बिखेर देता है किन्तु साधक मौन रहकर उस शक्ति को आत्म-शक्ति के संवर्धन में उपयोग करते हैं और मौन द्वारा अपने भावों को अत्यधिक प्रभावकारी बना देते हैं।बिहार में के विधानसभा चुनाव की ही बात कीजिये।अनर्गल और जूठी वाणी बोलकर राजनेता लोगो से दूर होते जा रहे है।कांग्रेस नेता राहुल,प्रियंका और तेजस्वी जैसे नेता अनर्गल बयानबाजी करते नजर आए।राहुल ने तो बिहार चुनाव में जूठे आरोपो की झड़ी लगा दी।उनकी मन की शक्ति को कारण बिना ही बिखेरते नजर आए।मोदी और भाजपा पर असीमित आरोपो से उनके मन की शक्ति को अनायास बिखेरते नजर आए।कई बार चुनाव आयोग और सतारूढ़ सरकार पर आरोपो की झड़ी लगा दी।लेकिन मोदी पर और चुनाव आयोग पर लगाए जूठे आरोपो पर कभी भी मोदी में पलटवार नही किया।क्योकि मोदी जानते है कि जूठे लोगो के मुह नही लगकर वे अपने देश के विकास कार्यो में समय और शक्ति खर्च करने में अपनी देशभक्ति समझते है।लेकिन विपक्ष जूठे आरोप लगाकर उनको बदनाम करने की कोशिश करते है।मोदी कहते है वे नामदार है और मैं कामदार हूँ।मुझे तो 140 करोड़ लोगों की फिक्र है। लेकिन उनको पांच सात लोग अपने परिवार की चिंता है।बिहार में राहुल ने हरियाणा के नाम पर चुनाव आयोग को घेरा है।उससे कांग्रेस की बिहार में बुरी दशा होगी।मौन रहते तो शायद फायदा होता,लेकिन अब चिडिया चुग गई खेत वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।इसलिए कहा गया है कि मौन व्यक्तित्व को अधिक प्रभावशाली और अधिक लोकप्रिय बनाती है। जो जितना कम बोलता है उसकी वाणी उतनी ही अधिक प्रभावशाली होती है और लोग उसके संकेतों पर, उसके विचारों पर चलने को उद्यत हो जाते हैं। जब मौन टूटता है तो वाणी की शक्ति बिखर जाती है।चिन्तन-शक्ति भी बिखर जाती है और प्राण-शक्ति भी कमजोर पड़ जाती है। मोदी की बात का प्रभाव इसलिए पड़ता है कि मोदी जूठे आरोप नही लगाते है,जैसे तेजस्वी और राहुल लगा रहे है। कई बार देखा सुना है, मौनी साधक जब दीर्घकाल का मौन खोलते हैं तो उनका पहला शब्द, पहला मंगलपाठ, उनके मुख से निःसृत प्रथम वाणी कुछ अलग ही प्रभावकारी होती है। क्योंकि दीर्घकाल की संचित शक्ति उस वाणी से व्यक्त होती है, जिसका लाभ सुनने वालों को मिलता है। धीरे-धीरे उस मौन की चमत्कारी शक्ति क्षीण पड़ जाती है। सोनिया गांधी जब तक चुप थी, अजेय थी। सर्वप्रिय थी और आलोचनाओं से बची थी। जब बोलने लगी है। उनकी क्या दशा बनी है यह हमारे सामने है। क्योंकि सोनिया और राहुल आलोचनाओं से वह कैसे अपना बचाव कर सकते है।क्योंकि कोर्ट से जमानत पर है।

कबीरदास जी का कहना है

वाद विवादे विष वर्धना, बोले बहुत उपाध। मौन गहै सबकी सहे, सुमिरै नाम अगाध ॥

बोलने से विवाद बढ़ता है। मौन से सबके साथ मित्रता बनी रहती है।मौन मनुष्य की सर्वप्रियता का एक अचूक साधन है। संस्कृत की सूक्ति है-मौनिनः कलहो नास्ति। मौन रहने वाला कलह से, कटुता से बचता रहता है। मौन एक रक्षा कवच है, ज्ञानियों का भी और मूर्खों का भी। ज्ञानी मौन रहता है, तो उसका वह गुण है, भूषण है और वह अपने सत्य व्रत की रक्षा कर सकता है। लोकप्रियता को बनाये रख सकता है। मूर्ख जब तक मौन रहता है, लोग उसे समझदार समझते हैं। मूर्खता का ढक्कन है मौन।मौन रहने से मन को ताजगी मिलती है। जैसे एक-दो घण्टा की नींद लेने से खोई हुई शक्ति वापस मिल जाती है। थकावट दूर होकर शरीर में ताजगी आ जाती है। उसी प्रकार मौन रहने से विचारों में, मन में ताजगी भर जाती है। विवेक में स्फूर्ति आ जाती है। वाणी में जोश आ जाता है।

बोलने में शक्ति का सर्वाधिक क्षय : मौन का अर्थ है,ऊर्जा के बिखराव को समेटना। अपनी भीतरी शक्ति को संगृहीत कर उच्च-स्तरीय पुरुषार्थ में, आत्म-अभ्युदय के श्रेष्ठ मार्ग में लगाना। एक घण्टा बोलने से जितनी शक्ति नष्ट होती है, उसे वापस प्राप्त करने में कई घण्टा लग जाते हैं। जैसे शरीर को शक्तिमान और बलवान बनाये रखने के लिए ब्रह्मचर्य की महिमा है। उसी प्रकार वाणी को प्रभावशाली बनाये रखने के लिए मौन-साधना का महत्त्व है। घण्टों की संचित शक्ति को क्षीण कर देता है। हम देखते है, अन्तिम समय में मरने से पहले मनुष्य की बोली बंद होती है। वह हाथों व आँखों के इशारे से अपना भाव जताने की चेष्टा करता है। मतलब यह है जब चेतना शक्ति क्षीण होने लगती है तो सबसे पहले वाणी की शक्ति क्षीण होती है। जन्मता बच्चा बोल नहीं पाता, परन्तु हाथ-पैर हिलाकर अपनी पीड़ा व हर्ष की अभिव्यक्ति करता है। सात-आठ महीने बाद बच्चा बोलने लगता है। परन्तु बाकी चेष्टाएँ जन्मते ही शुरू कर देता है। इसका मतलब है- बोलने में सबसे अधिक शक्ति लगानी पड़ती है। जबकि जीभ से सिर-हाथ कितना भारी होता है। अर्थात् इतना बड़ा सिर हिलाने में जितनी शक्ति लगती है उससे भी ज्यादा शक्ति खर्च होती है टके भर की जीभ हिलाने में। मौन कभी भी दूसरों को हानि नहीं पहुँचा सकता, जबकि मनुष्य बोलकर समाज में कलह, विग्रह, विद्वेष, फूट और हिंसा को भड़काता है। दूसरों के दिलों में तीर चुभो सकता है। जितने दंगे, फसाद, खून-खराबा होता है, उनमें भड़कीले भाषण उत्तेजक शब्द ही ज्यादा काम करते हैं। पहले बोली चलती है फिर गोली चलती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

युवराज ने अभिषेक की प्रशंसा करने के साथ ही किया एक अहम खुलासा

» किसी भी हालात में अपना बल्ला नहीं देता

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। युवराज अभिषेक के गुरु हैं और ऐसे में उन्होंने अपने चेले को लेकर एक अहम खुलासा भी किया है। युवी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अभिषेक से कुछ भी मांग लो पर उसका बल्ला नहीं मांगो क्योंकि वह किसी भी हालत में उसे नहीं देगा। उसके पास दस बल्ले है पर वह कहेगा कि उसके पास दो ही बल्ले हैं। अभिषेक ने पदार्पण के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। एशिया कप के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी पांच टी20 मैचों की सीरीज में सबसे अधिक कुल 163 रन बनाए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला। उनकी इस बल्लेबाजी के कारण ही भारतीय टीम ने 2-1 से सीरीज जीती जबकि दो मैच बारिश के कारण नहीं हो पाये। ऑस्ट्रेलिया सीरीज समाप्त होने के बाद युवराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, जिसमें उन्होंने अभिषेक का सबसे बड़ा सीक्रेट बताया है। उन्होंने वीडियो में कहा, आप इस आदमी से कुछ भी ले सकते हो पर बल्ला नहीं ले सकते। कोई भी इससे बल्ला नहीं ले सकता। यह किसी भी हालात में अपना बल्ला किसी को भी नहीं देता। इसके पास 10 बल्ले होंगे तो भी कहेगा कि मेरा पास दो ही हैं। फिर किट बैग से दो बल्ले और निकलते हैं। वहीं चार बल्ले घर में पड़े होते हैं। यह मेरे सारे बल्ले ले गया पर मैंने कभी मना किया। इसके बाद भी अपना बल्ला किसी को नहीं देता। युवराज जब यह खुलासा कर रहे थे, उस वक्त अभिषेक मुस्कुरा रहे थे। अभिषेक ने पिछले साल जुलाई 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस क्रिकेटर ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 29 टी20 मैचों में 1012 रन बनाये हैं। उन्होंने गाबा में रद्द हुए मैच में 13 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 528 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की और सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्या ने 573 गेंदों में 1000 रन बनाए थे।अभिषेक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने के बाद कहा था कि वह काफी समय से इस सीरीज का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि वह रन बनाने के लिए अनुकूल जगह है। इसके अलावा वहां तेज गेंदबाजों के सामने अच्छा अनुभव होता है।

पोर्टिमाओ ग्रां प्रीः बेज़ेकी ने दिखाया दम, मार्केज़ और एकोस्टा को पछाड़कर दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

पोर्टिमाओः मार्को बेज़ेकी (अप्रीलिया रेसिंग) ने रविवार को पोर्टिमाओ में आयोजित पुर्तगाल ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरू से अंत तक रेस में बढ़त बनाए रखी और जबरदस्त जीत हासिल की। 25 लैप्स की इस रेस में बेज़ेकी ने एक भी गलती नहीं की। इस जीत के साथ उन्होंने चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, एलेक्स मार्केज़ (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) और पेड्रो एकोस्टा (रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग) ने पोडियम पर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बेहतरीन शुरुआतः बेज़ेकी ने संभाली कमान- लाइट्स आउट होते ही बेज़ेकी ने पोल पोजीशन से शानदार शुरुआत की, जबकि एकोस्टा ने भी दमदार शुरुआत की लेकिन बढ़त हासिल नहीं कर सके। एलेक्स मार्केज़ तीसरे स्थान पर आए और फिर दूसरे लैप में एकोस्टा को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फ्रैंको मोर्बिडेली (पार्टामिना इंड्युरो वीआर 46) शुरुआती लैप में टर्न-5 पर टक्कर का शिकार हुए लेकिन उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। इसी बीच जोआन मिर (होंडा एचआरसी कैस्ट्रॉल) तकनीकी खराबी के कारण दूसरे लैप में ही रेस से बाहर हो गए।

बीच की लड़ाईः पेको बान्याया की बदकिस्मती- फ्रांसेस्को बान्याया (डुकाटी लेनेवो टीम) चौथे स्थान पर थे, लेकिन लैप 11 में टर्न 10 पर क्रैश हो गए, जिससे उन्हें लगातार चौथे रविवार को डीड नॉट फिनिश (डीएनएफ) का सामना करना पड़ा। इससे उनके चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। इस दौरान फर्मिन एल्डेगुएर (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ब्रैड बिंडर (रेड बुल केटीएम) और फैबियो क्वार्टारारो (यामाहा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

आखिरी लैप्स में रोमांचः एकोस्टा की वापसी- रेस के अंतिम चार लैप्स में पेड्रो एकोस्टा ने अपनी गति बढ़ाई और एलेक्स मार्केज़ के करीब पहुंच गए। हालांकि, आखिरी लैप तक मार्केज़ ने अपनी बढ़त बचाए रखी और दूसरा स्थान हासिल किया। इस बीच, आइ ओगुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवां स्थान पाया, जो उनके लगातार दूसरे टॉप-10 फिनिश का संकेत है।

अंत में बेज़ेकी का जलवा- अंतिम लैप में भी बेज़ेकी पूरी तरह नियंत्रण में रहे और बेहतरीन अंदाज़ में रेस खत्म की। उन्होंने 2025 सीज़न में अप्रैलिया को तीसरी जीत दिलाई — जो कि पहली बार है जब इस निर्माता ने एक ही सीज़न में तीन जीत दर्ज की हैं। एलेक्स मार्केज़ और एकोस्टा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। एल्डेगुएर ने चौथा स्थान बनाए रखा, बिंडर पांचवें स्थान पर रहे जबकि क्वार्टारारो छठे स्थान पर रहे — जो उनका 2022 के बाद पुर्तगाल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ओगुरा सातवें, दी जियान्नांटनियो आठवें और जोहान ज़ार्को नौवें स्थान पर रहे। रेड बुल केटीएम टेक 3 के पोल एस्पारगारो शीर्ष 10 में रहे।

अमला के तीन पसंदीदा क्रिकेटरों में रोहित पहले नंबर पर शामिल

क्लासेन और सूर्यकुमार को दूसरा व तीसरा स्थान

एजेंसी, जोहांबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला ने टी20 क्रिकेट के तीन शीर्ष खिलाड़ियों के नामों का खुलासा किया है। अमला के अनुसार ये उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं। इसमें पहला नाम भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का है। अमला ने बताया कि रोहित के शॉट खेलने की सहज अंदज और क्लास उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग बनाती है।अमला ने कहा, रोहित अब भी मेरे पसंदीदा बल्लेबाजों में से एक हैं। उनके शॉट्स में जो सहजता है, वो टी20 क्रिकेट में काफी कम देखने को मिलती है। उन्हें खेलते हुए देखकर हमेशा खुशी मिलती है। रोहित ने साल 2024 में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप जिताने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था पर वह अभी भी एकदिवसीय और आईपीएल में खेलते हैं। अमला के दूसरे पसंदीदा बल्लेबाज अपने ही हमतन हेनरिक क्लासेन और तीसरे पसंदीदा बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव हैं। क्लासेन ने अब तक 265 टी20 मुकाबलों में 5,900 से अधिक रन बनाए हैं, जिनमें 3 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं जबकि भारतीय टीम के वर्तमान टी20 कप्तान सूर्यकुमार के 360-डिग्री खेल और उनके आत्मविश्वास के आमला कायल हैं। सूर्यकुमार ने अब तक सात शतक के साथ ही 337 टी20 मैचों में 8,700 से ज्यादा रन बनाए हैं और वह अपने आक्रामक अंदाज के कारण जाने जाते हैं।

प्रीमियर लीग 2025-26: मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 3-0 से हराया

» गार्डियोला के 1000वें मैच में क्लब को मिली शानदार जीत

एजेंसी, मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी ने अपने मैनेजर पेप गार्डियोला के करियर के 1000वें मैच को यादगार बना दिया, जब उन्होंने रविवार देर रात एतिहाद स्टेडियम में लिवरपूल को 3-0 से मात दी। इस जीत के साथ सिटी ने प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल की बढ़त को घटाकर चार अंक कर दिया। शनिवार को आर्सेनल का सुंदरलैंड से 2-2 ड्रॉ होने के बाद सिटी के पास दबदबा दिखाने का मौका था, और गार्डियोला की टीम ने सीज़न का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह मौका भुनाया। पहले हाफ में एर्लिंग हॉलैंड को पेनल्टी मिली, जिसे लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी मामरदाशविली ने बचा लिया। लेकिन 29वें मिनट में हॉलैंड ने मैथ्यूस नूनेस के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और सिटी को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने बराबरी का गोल किया था जब वर्जिल वैन डाइक ने मोहम्मद सलाह के कॉर्नर पर हेडर मारा, लेकिन एंडी रॉबर्टसन के ऑफसाइड रहने की वजह से गोल रद्द हो गया। कुछ ही मिनटों बाद हाफ टाइम से ठीक पहले निको गोंजालेज़ की शॉट वैन डाइक से टकराकर गोलपोस्ट में चली गई और सिटी 2-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में लिवरपूल ने वापसी की कोशिश की, परंतु कोडी गाक्पो ने करीब से आसान मौका गंवा दिया। 63वें मिनट में जेरेमी डोकू ने शानदार व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए इब्राहिमा कोनाटे को छकाया और टॉप कॉर्नर में शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया।

लिवरपूल ने कुछ मौके बनाए—डोमिनिक स्ज़ोबोस्लाई ने दूर से शॉट मारा और सलाह ने वन-ऑन-वन मौका गंवाया—लेकिन सिटी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला समाप्त किया।

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि लिवरपूल आठवें स्थान पर खिसक गया और उसे इस सीज़न में पहले ही पांचवीं हार झेलनी पड़ी है।

गार्डियोला के लिए यह मैच विशेष रहा — यह उनके मैनेजमेंट करियर का 1000वां मुकाबला था और उन्होंने इसमें 716वीं जीत दर्ज की (जिनमें से 388 सिटी के साथ)।

हॉलैंड ने हालांकि अपना 100वां प्रीमियर लीग गोल पूरा नहीं किया, लेकिन उन्होंने सिटी के साथ लिवरपूल के खिलाफ लगातार तीसरे होम मैच में गोल दागा। उन्होंने इस सीज़न में अब तक 11 मैचों में 14 गोल किए हैं — जो प्रीमियर लीग इतिहास में इस चरण तक किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सर्वाधिक आंकड़ा है। इस मैच के असली नायक रहे जेरेमी डोकू, जिन्होंने तीनों शॉट ऑन टारगेट किए, विपक्षी बॉक्स में 11 बार बॉल टच की और 10 में से 7 ड्रिबल सफल किए।

बारिश ने चौथा टी20 रद्द कराया; न्यूज़ीलैंड का 2-1 की बढ़त के साथ सीरीज़ पर कब्जा बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

नेल्सन में खेले जा रहे चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बारिश ने एक बार फिर खलल डाल दिया। सिर्फ 39 गेंदों की खेल के बाद ही मुकाबला रद्द कर दिया गया। इस नतीजे के साथ न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है। अब वेस्टइंडीज़ के पास गुरुवार को डुनेडिन में होने वाले पांचवें और आखिरी टी20 में सीरीज बराबर करने का मौका रहेगा, जबकि न्यूज़ीलैंड उसे 3-1 से जीत सकता है। मैच शुरू होने से पहले ही आसमान में बादल छाए हुए थे और मौसम विभाग ने शाम तक बारिश की संभावना जताई थी। इसके बावजूद टॉस और मैच की शुरुआत तय समय पर हुई। खेल के पांच ओवर पूरे होने के बाद पहली बार बारिश आई और लगभग 30 मिनट का ब्रेक लेना पड़ा। खेल दोबारा शुरू हुआ तो सिर्फ नौ गेंदों के बाद फिर बारिश आ गई और अंततः मैच रद्द घोषित कर दिया गया। जब मैच रद्द किया गया, उस समय वेस्टइंडीज का स्कोर 6.3 ओवर में 1 विकेट पर 38 रन था।

जिमी नीशम ने छठे ओवर में एलिक एथनाज़े (18 गेंद 21 रन 2 छक्के एक चौका) को पवेलियन भेज दिया था। आमिर जंगू 12 और साईं होप 3 रन बनाकर नाबाद थे।

नो रिज़ल्टः वेस्टइंडीज़ – 38/1 (एथनाज़े 21, जंगू 12*, नीशम 1/5) बनाम न्यूज़ीलैंड

व्यापार

कमजोर लिस्टिंग से लेंसकार्ट ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, बड़ी गिरावट के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए शेयर

नई दिल्ली। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 402 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 390 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 395 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण लेंसकार्ट के शेयर गिर कर 356.10 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये शेयर नुकसान की भरपायी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 403.10 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 0.27 प्रतिशत का मुनाफा कमा सके। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड का 7,278.76 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 28.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 40.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 7.56 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व हिस्सा 4.96 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,10,45,160 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 2,150.74 करोड़ रुपये के 5,35,01,096 नए शेयर और 5,128.02 करोड़ रुपये के 12,75,62,573 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नए कोको स्टोर का सेटअप करने, क्लाउड इंफ्रा तैयार करने, मार्केटिंग तथा अधिग्रहण करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 63.76 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 10.15 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफे में आ गई। इस साल कंपनी को 297.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 61.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 3,927.97 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5,609.87 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 7,009.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

उतार चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी को बढ़त

बाजार की मजबूती से निवेशकों को 1.81 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले सप्ताह के कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि आज के कारोबार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ज्यादातर समय खरीदारों का पलड़ा ही भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.12 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.81 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,513 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,962 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,372 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,863 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,356 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,507 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 18.08 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 83,198.20 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब सेंसेक्स 538.21 अंक की मजबूती के साथ 83,754.49 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 200 अंक से अधिक फिसल कर 319.07 अंक की बढ़त के साथ 83,535.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 11.20 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,503.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद इस सूचकांक को खरीदारों का सहारा मिल गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब निफ्टी 161.15 अंक उछल कर 25,653.45 अंक तक पहुंच गया इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। खासकर, आखरी 1 घंटे के कारोबार में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से लगभग 80 अंक टूट कर 82.05 अंक की मजबूती के साथ 25,574.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस 2.49 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.86 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.73 प्रतिशत, विप्रो 1.42 प्रतिशत और कोल इंडिया 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ट्रेंट लिमिटेड 7.43 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 3.29 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.10 प्रतिशत, एटरनल 1.52 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 1.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कैट ने दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती पर "स्वदेशी अपनाओ–आत्मनिर्भर भारत बनाओ" का लिया संकल्प

नई दिल्ली। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सोमवार को राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105वीं जयंती पर एक समारोह में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने ठेंगड़ी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन और विचारों को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित कारोबारियों और जनसमूह ने स्वदेशी अपनाओ–आत्मनिर्भर भारत बनाओ का संकल्प लिया। कैट ने एक बयान में बताया कि यह कार्यक्रम कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स तथा भामाशाह फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चांदनी चौक के सांसद खंडेलवाल ने कहा कि राष्ट्रऋषि ठेंगड़ी न केवल भारतीय मजदूर संघ और भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे, बल्कि वे भारतीय अर्थचिंतन के प्रखर मनीषी और स्वदेशी दर्शन के प्रणेता थे। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रीयता, श्रम, स्वावलंबन और आत्मगौरव के अद्भुत संगम का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि ठेंगड़ी जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि भारत की आर्थिक आजादी का मार्ग केवल स्वदेशी से होकर जाता है। आज जब भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, तब ठेंगड़ी जी के विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उनका चिंतन हर व्यापारी, श्रमिक और किसान के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है और हमें ठेंगड़ी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए स्वदेशी अर्थव्यवस्था को सशक्त करना होगा। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प दोहराया कि वे अपने जीवन और व्यवसाय में भारतीय उत्पादों और भारतीय मूल्यों को सर्वोपरि रखेंगे तथा राष्ट्रऋषि ठेंगड़ी के विचारों को व्यवहार में उतारने का निरंतर प्रयास करेंगे।

सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। संसद में 1 फरवरी को बजट पेश किया जाना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन के अलावा डीईए के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि बजट-पूर्व परामर्श, बजट निर्माण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे सरकार को केंद्रीय बजट को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से विविध दृष्टिकोण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार नौवां बजट होगा। वित्त मंत्रालय की नवीनतम मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार अगस्त में अमेरिका के भारत पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आई है।

त्रिशा कर मधु ने भोजपुरी गानों पर दिखाए डांस के जलवे

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भोजपुरी अभिनेत्री त्रिशा कर मधु ने अपने फैंस के लिए दो खास वीडियो पोस्ट किए। एक्ट्रेस ने दो बेहद लोकप्रिय भोजपुरी गानों पर अपने डांस के जलवे दिखाए। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस कमेंट्स और लाइक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पहली वीडियो में त्रिशा कर मधु पवन सिंह के हिट गाने राजा जी पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने गाने के बीट के मुताबिक अपने डांस मूव्स और एक्सप्रेशन को बखूबी पेश किया। वीडियो में उनका आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा है। बता दें कि गाने राजा जी को पवन सिंह और शिवानी सिंह ने गाया है और बोल कुंदन प्रीत ने लिखे हैं, जबकि संगीत श्याम सुंदर ने दिया है। दूसरे वीडियो में त्रिशा कर मधु नीलम गिरी के गाने राजा जी खून कईद पर डांस करती दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में उनका डांस स्टाइल थोड़ा अलग है। पहले वह कुर्सी पर बैठे-बैठे गाने के बोल पर एक्सप्रेशन देती है और बैठे-बैठे डांस करती है। वीडियो के आखिर में वह गाने के रिदम पर अपने डांस मूव्स दिखाती है। वीडियो में उनकी एनर्जी को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि राजा जी खून कईद गाने को शिल्पी राज ने गाया है और इसके बोल विजय चौहान ने लिखे हैं, जबकि संगीत आर्य शर्मा का है। त्रिशा कर के ये दोनों वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब देखे जा रहे हैं।

'पंचायत' के अभिषेक बनेंगे कबूतरबाज, जितेंद्र कुमार की अगली फिल्म पर आई अपडेट

'पंचायत' वेब सीरीज से अपार लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार अब एक बिल्कुल अलग किरदार में नजर आने वाले हैं। अपनी सादगी और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले जितेंद्र इस बार 'कबूतरबाजी' यानी पारंपरिक पक्षी प्रतियोगिता पर आधारित एक अनोखी कहानी में दिखाई देंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनके साथ पूजा भट्ट भी नजर आएंगी, जो जितेंद्र की मां का किरदार निभाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी की परंपरा पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी। इसमें भावनाओं, परंपरा और आधुनिक सोच के टकराव को दिखाया जाएगा। फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के नॉट आउट एंटरटेनमेंट बैनर तले किया जा रहा है, जबकि बिलाल हसन इसके निर्देशक हैं और हितेश केवल्य सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं। निर्माताओं ने फिलहाल फिल्म का शीर्षक तय नहीं किया है। माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल 2026 की शुरुआत में शुरू की जाएगी। कहानी का केंद्र पारिवारिक रिश्तों और पारंपरिक कबूतरबाजी के जुनून के इर्द-गिर्द घूमता है। काम की बात करें तो जितेंद्र कुमार आखिरी बार वह 'भागवत : चैप्टर वन राक्षस' में नजर आए थे, जो जी5 पर रिलीज हुई थी। वहीं पूजा भट्ट हाल ही में ओटीटी और फिल्मों दोनों में अपने दमदार किरदारों के लिए चर्चा में रही हैं। दोनों कलाकारों की जोड़ी पहली बार एक साथ पर्दे पर नजर आएगी, जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर खासा उत्साह है।

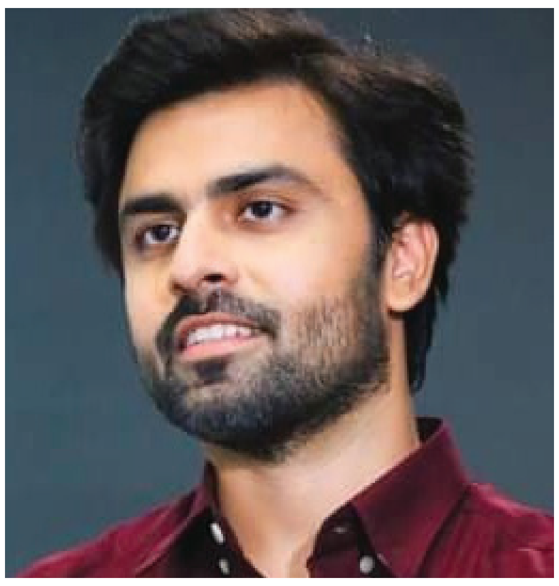

बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की 'हक' का जलवा, 'जटाधरा' रही फीकी

अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' इस साल 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुकी है। फिल्म की कहानी और सामाजिक संदेश ने दर्शकों का दिल जीता है, वहीं इमरान और यामी की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को खूब सराहा जा रहा है। 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन मामूली ओपनिंग के बाद वीकेंड पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इसके विपरीत, सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'जटाधरा' को दर्शकों का प्यार नहीं मिल पा रहा है। इंदौर के चर्चित शाह बानो केस से प्रेरित फिल्म 'हक' ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ बनानी शुरू कर दी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रविवार (तीसरे दिन) को 3.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले दिन 1.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने के बाद, फिल्म ने तीन दिनों में कुल 8.85 करोड़ की कमाई कर ली है। समीक्षकों की मानें तो फिल्म के दमदार विषय और कलाकारों के प्रदर्शन ने वीकेंड पर दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचा है। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर अभिनीत फिल्म 'जटाधरा' को बॉक्स ऑफिस पर भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले और दूसरे दिन केवल 1.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। तीसरे दिन इसकी कमाई घटकर मात्र 99 लाख रुपये रह गई। तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन सिर्फ 3.13 करोड़ रुपये हुआ है, जो इसे साल की फ्लॉप फिल्मों की सूची में डाल सकता है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी 'हक' शाह बानो केस से प्रेरित एक संवेदनशील फिल्म है, जो महिलाओं के अधिकार और न्याय की लड़ाई को आधुनिक संदर्भ में दर्शाती है। फिल्म के दमदार संवाद, यामी गौतम का सशक्त अभिनय और इमरान हाशमी का संतुलित प्रदर्शन दर्शकों को बांधे रखते हैं। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि यदि फिल्म वर्ड ऑफ माउथ का फायदा उठाती रही, तो यह आने वाले दिनों में और मजबूत पकड़ बना सकती है।

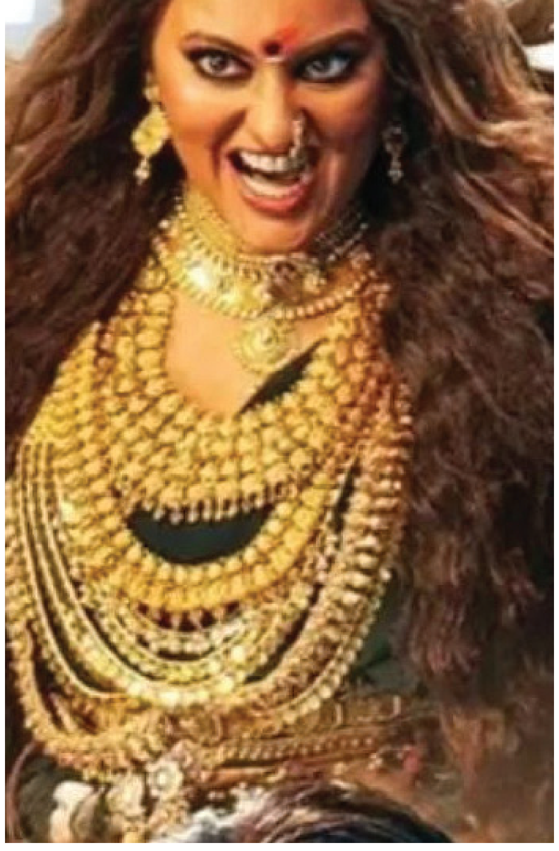

थलापति विजय के बेटे जेसन की डेब्यू फिल्म का नाम आया सामने

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय के बेटे जेसन संजय ने अपने निर्देशन करियर की शुरुआत कर दी है। उनकी पहली फिल्म को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर अब विराम लग गया है, क्योंकि निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और पहला पोस्टर जारी कर दिया है। जेसन की इस डेब्यू फिल्म का नाम 'सिग्मा' रखा गया है। फिल्म का निर्माण साउथ के प्रतिष्ठित लाइका प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया गया है। पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जेसन को बधाइयों की बाढ़ आ गई है। लोग थलापति विजय के बेटे की डेब्यू फिल्म देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। 'सिग्मा' के पोस्टर में अभिनेता संदीप किशन सोने की ईंटों और पैसों के ढेर पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनके हाथ पर बंधी पट्टी और गहन एक्सप्रेशन उनके किरदार की इंटेंस और एक्शन-पैक्ड झलक पेश करते हैं। पोस्टर जारी करते हुए संदीप ने लिखा, "जेसन 01 – सिग्मा को आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।" थलापति विजय के बेटे के निर्देशन डेब्यू की खबर सुनते ही साउथ इंडस्ट्री के कई सितारों और फैंस ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। 'सिग्मा' को लेकर अब दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। फिल्म को एक स्टाइलिश एक्शन-ड्रामा बताया जा रहा है, जो विजय के परिवार की सिनेमाई विरासत को आगे बढ़ाएगी। फिल्म की रिलीज डेट फिलहाल सामने नहीं आई है, लेकिन मेकर्स के मुताबिक 'सिग्मा' को 2026 की शुरुआत में बड़े पैमाने पर रिलीज किया जाएगा।

8 घंटे की वर्क शिफ्ट पर यामी गौतम ने रखे अपने विचार

बॉलीवुड एक्ट्रेस इमरान हाशमी और यामी गौतम की नई फिल्म हक सिनेमा घरों में रिलीज़ हो चुकी हैं। इस मौके पर डायरेक्टर सुपन वर्मा और एक्ट्रेस यामी ने फिल्म इंडस्ट्री में 8 घंटे की वर्क शिफ्ट को लेकर चल रही बातचीत पर चर्चा की। मातृत्व के महत्व पर ज़ोर देते हुए यामी ने कहा कि एक बार माँ बनने के बाद हमेशा माँ ही रहती है, उन्होंने एक्टर्स और फिल्ममेकर्स के बीच आपसी समझ की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। हाल ही में यामी गौतम ने शेयर किया, सबसे पहले तो, एक बार माँ बनने के बाद हमेशा माँ ही रहती है। चाहे आप नौकरी करते हों या घर पर रहने वाले माता-पिता हों, हर माँ अनोखी होती है और अपने बच्चे के लिए सब कुछ करती है। एक माँ के लिए उसके बच्चे से ज़्यादा महत्वपूर्ण कोई नहीं होता। मेरे प्रोफेशन

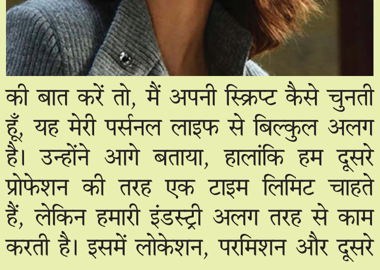

की बात करें तो, मैं अपनी स्क्रिप्ट कैसे चुनती हूँ, यह मेरी पर्सनल लाइफ से बिल्कुल अलग है। उन्होंने आगे बताया, हालांकि हम दूसरे प्रोफेशन की तरह एक टाइम लिमिट चाहते हैं, लेकिन हमारी इंडस्ट्री अलग तरह से काम करती है। इसमें लोकेशन, परमिशन और दूसरे एक्टर्स और टेक्नीशियन की भागीदारी जैसे कई फैक्टर होते हैं। इसलिए, टाइम लिमिट का विचार काफी सब्जेक्टिव है और यह एक एक्टर, एक प्रोड्यूसर और एक डायरेक्टर के बीच सहयोग और समझ पर निर्भर करता है। डायरेक्टर सुपन वर्मा ने यामी की टिप्पणियों पर कहा, यह एक लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा है। कुछ एक्टर्स दिन में सिर्फ आठ घंटे, हफ्ते में पांच दिन काम करते हैं, और नाइट शूट से बचते हैं। यह व्यवस्था डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर द्वारा पहले से ही तय की जाती है। तो फिर जब कोई फीमेल एक्टर यह चिंता उठाती है तो यह समस्या क्यों बन जाती है? आखिरकार, हम सभी इंसान हैं जो मुश्किल हालात में कला का निर्माण कर रहे हैं और भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं।

जरीन खान फिल्म हक को बताया ब्लॉकबस्टर

एक्टर इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म हक की दिल खोलकर तारीफ हो रही है। फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग देखने के बाद एक्ट्रेस जरीन खान ने हक को रिलीज से पहले ही ब्लॉकबस्टर बता दिया। एक्ट्रेस जरीन खान ने सोशल मीडिया पर फिल्म हक को लेकर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें फिल्म का ट्रेलर शेयर कर जरीन ने लिखा, रात को फिल्म हक देखी, और ये कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म हिट होने वाली है। एक अच्छी कहानी को अच्छी अदाकारी के साथ पर्दे पर पेश किया गया है। हर किसी को ये फिल्म देखनी चाहिए, मुस्लिम समुदाय को भी। उन्होंने इमरान हाशमी की एक्टिंग की तारीफ की। उन्होंने लिखा, मैं पहले से ही आपकी फैन थी, लेकिन फिल्म में आपने अब्बास का रोल इतने अच्छे तरीके से किया है कि मैं खुद को अब्बास से नफरत करने से नहीं रोक पा रही हूं। यामी गौतम, आपने भी अपने रोल को बखूबी निभाया है। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी शाह बानो की जीवनी पर बनी हैं, जिन्होंने तीन तलाक मिलने के बाद गुजारे भत्ते के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शाह बानो पहली मुस्लिम महिला थीं, जिन्होंने तीन तलाक का विरोध करते हुए कोर्ट में केस किया था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए शाह बानो और हर मुस्लिम महिला को गुजारे भत्ते का अधिकार दिया था। हालांकि, कई सालों तक बानो को अपने हक की लड़ाई अकेले ही लड़नी पड़ी थी। शाह बानो की असल जिंदगी से प्रभावित होकर ही फिल्म हक बनाई गई है।

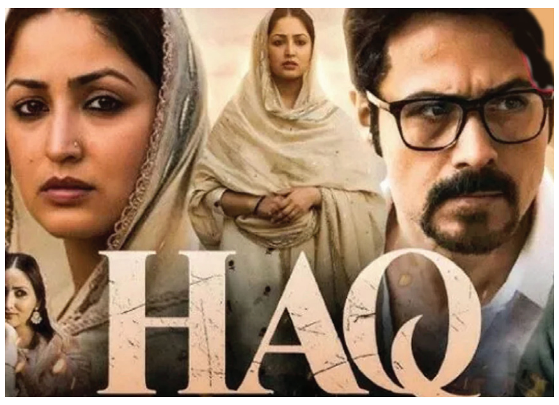

रश्मिका मंदाना की द गर्लफ्रेंड की विजय ने की खूब तारीफ

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। कई भाषाओं में रिलीज की गई फिल्म एक टॉक्सिक रिश्ते को दिखाती है। फिल्म की एक्टर विजय देवरकोंडा ने जमकर तारीफ की, जिससे खुश रश्मिका ने उन्हें एक प्यारा रिप्लाई किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विजय देवरकोंडा ने फिल्म 'द गर्लफ्रेंड की तारीफ में एक पोस्ट डाला था, जिसका जवाब देते हुए रश्मिका ने बहुत सारे हार्ट इमोजी पोस्ट किए। उन्होंने लिखा, ये शब्द बहुत ही पावरफुल हैं, ये मेरे लिए बहुत जरूरी हैं, हालांकि इतनी अच्छी बातों को पचाना मेरे लिए मुश्किल होगा, लेकिन बहुत अच्छी बात कही है आपने। ये फिल्म धीमी गति से जलने वाली कहानी है जो लंबे समय तक चलती रहेगी। उन्होंने आगे लिखा, विजय देवरकोंडा, आप शुरू से ही इस फिल्म का इनडायरेक्ट तरीके से हिस्सा रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि आपको इस फिल्म के लिए मुझ पर गर्व होगा। रश्मिका ने चार लाइनों के पोस्ट में चार बार हार्ट इमोजी पोस्ट किया है। दरअसल विजय देवरकोंडा ने फिल्म की तारीफ कर लिखा, मुझे पता है उन्होंने कुछ जबरदस्त बनाया है, कुछ खास बनाया है, कुछ ऐसा जिसे पचाना मुश्किल होगा। मुझे पता है कि सभी कलाकारों का अभिनय बेहतरीन है और हम पर्दे पर फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं। आप सभी ने बहुत सारी मेहनत की है। ये पोस्ट इसलिए भी खास है, क्योंकि बीते साल से ही रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के डेटिंग की खबरें लगातार आ रही हैं। दोनों के वेकेशन पोस्ट भी सामने आ चुके हैं। खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों स्टार्स बीते साल ही गुपचुप तरीके से सगाई कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल फरवरी में वे सात फेरों के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी 26 फरवरी, 2026 को राजस्थान के उदयपुर पैलेस में होने वाली है।

7,000 FIRs, no action: Punjab sits on farm fire cases

Punjab, Agency: Close to 7,000 FIRs were registered against farmers burning paddy stubble in Punjab between 2022 and 2024, but there has hardly been any action with most cases yet to result in a chargesheet, wound up after nominal fines or quietly closed under pressure from farmer unions, according to police records and senior officials in multiple hot spot districts.

In 2024, Punjab registered 5,783 FIRs for farm fires, compared to 1,144 in 2023 and 44 in 2022. As of November 4, 972 FIRs have been registered this year. The police cases are part of a crackdown on a practice that is known to shroud much of northern India in toxic smog from late October to most of November, sending air pollution levels into health emergency levels for millions of people in these states.

According to police records, prosecution department data and district administration officials who spoke on condition of anonymity, the vast majority of FIRs have seen no follow-up action and remain pending in police stations or have been settled with minimal penalties.

Punjab government officials, including the Punjab Police nodal officer for farm fires and special DGP Arpit Shukla, did not respond to requests for comment.

For instance, in farm fire hotspot districts including Patiala, Sangrur, Muktsar, Moga and Faridkot, not a single FIR over the three-year period till November 1, 2025, has reached the stage of challan, or chargesheet, in court, according to the prosecution department data. These districts registered 1,875 cases in past three years.

In Amritsar, Tarn Taran, Bathinda and Ferozepur – other prominent districts with the stubble burning problem-- fewer than 100 cases combined have reached courts in the past three years, a senior prosecution wing officer told HT, asking not to be named. These districts registered around 3,000 FIRs in 2022, 2023 and 2024.

To be sure, the number of police cases itself reflects a minuscule proportion of the actual number of fires detected. In the three years – 2022, 2023 and 2024 – there were 46,752, 31,325 and 9,099 farm fires observed from satellites, according to data from Nasa's

Fire Information for Resource Management System (FIRMS).

Over at least more than a decade, these fires have posed a serious health emergency for states and regions downwind. Every year, smoke from these regions spread out over the Indo-Gangetic plains, visually evident as thick white bands in satellite photos and numerically correlated with a surge in PM2.5 levels

"Most cases remain stagnant. Many were settled with nominal fines of ?500 to ?1,000. Several FIRs were withdrawn due to pressure from farmer unions," said a senior police officer from Patiala district.

Beginning 2024, all farm fire FIRs are registered under Section 223 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, a section that lays down punishment for "disobedience of public orders issued by officials" — in this case, district magistrates' orders against burning crop residue. The maximum penalty is six months' imprisonment or a fine up to ?5,000, or both.

Prior to 2024, cases were filed under the equivalent section of the Indian Penal Code Section 188 that carried mostly the same provisions, except for a milder maximum fine of ?1,000.

HT is not considering cases registered in the current year to account for delays typical in cases proceeding to the prosecution stage.

A pattern of dropped cases

Investigations have been dropped in numerous cases where farmers claimed fires spread from neighbouring fields, a deputy inspector general (DIG) rank officer said, asking not to be named.

A second police official concurred, saying there were "several factors".

"Punjab has a common practice of informal land contracts (theka) with no written agreements. Many cases were closed because FIRs were registered against landowners on record, while the actual cultivators were different people living elsewhere," said an SHO-level officer in Jalandhar district.

Another reason, according to legal experts, is that Section 223 is inadequate for environmental violations as it does not directly address pollution damage.

"Section 223 is very mild section and even if a person is arrested in these cases bail can be taken immediately at SHO level," said lawyer Himanshu Malik, who practises at the Punjab and Haryana High Court.

Director of prosecution Punjab, Sukhpal Gill, however denied there was a trend of inadequate prosecution. "Farm fire cases have reached courts. I cannot comment exactly on the number as our district offices deal with such local cases," he said.

Gill did not give details of how many cases reached the chargesheet stage over the three years.

Political hot potato

The real obstacle, officials and experts said, is political sensitivity.

"Farmers are politically sensitive class and are strong vote pocket. No government can afford to annoy them. My experience is even the administration, which is comprised of people from farming backgrounds, understand compulsion of farmers to burn straw but when court direct them to take action, they use mild sections so that they have something to show on paper. Even officers understand that FIRs against farmers won't yield any outcome," said former professor of Punjabi University Kesar Singh Bhangu, who is an expert in agrarian economy.

Access to critical minerals key to net zero emissions amid strained supply chain

New Delhi, Agency: Access to critical minerals has emerged as a key factor in India's pursuit of its long-term net zero emissions goal, prompting the country to sign agreements with resource-rich nations including Australia, Argentina and Chile for mining, exploration and investment, whilst launching a ?34,300 crore (approximately $4 billion) National Critical Mineral Mission to secure supplies amid China's tightening control over global reserves and processing.

Critical minerals such as lithium, cobalt, nickel and rare earth elements are indispensable for solar panels, wind turbines, electric vehicle batteries and other clean energy technologies essential to India's climate goals. However, China's grip on both mining and refining—it processes almost 90% of the world's rare earth elements despite mining only half—has created a strategic vulnerability for countries pursuing energy transitions. With global demand for these minerals expected to more than double by 2030, India faces the twin challenge of securing access to geographically concentrated resources whilst navigating intense US-China competition over supply chains.

The strategy was outlined by the ministry of mines in response to HT's queries. The ministry stated it is actively engaged in multiple strategic partnerships to strengthen the critical minerals value chain, including the US-led Mineral Security Partnership—launched in 2022 with 14 countries and the European Commission—the Indo-Pacific Economic Framework, the India-UK Technology and Security Initiative, the Quad and the Strategic Mineral Recovery Initiative, a US-India partnership announced in February following Prime Minister Narendra Modi's visit to the US.

China has intensified pressure by imposing tighter controls over the sector and refining technologies over the past couple of years, adding urgency to India's efforts.

"The core message is that India must urgently adopt a strategic perspective on its mineral economy. Minerals are essential for our industrial requirements including defence and strategic industries. The global transition towards decarbonisation of energy is creating a mineral-dependent world, and this is occurring amidst intense geopolitical competition, particularly between the US and China," states a discussion paper by the Centre for Social and Economic Progress (CSEP) titled "India's Mineral Requirements in a World of Economic and Geopolitical Transition."

Think tanks have warned that India must accelerate its efforts to address geopolitical challenges associated with acquiring these reserves. Policymakers recognise that China's dominance and moves such as export restrictions will have significant implications.

Multi-pronged approach

India's response centres on the National Critical Mineral Mission, launched in January, which focuses on increasing domestic production, acquiring assets abroad, recycling critical minerals and developing trade and markets, among other priorities.

Apart from acquiring these mines abroad through Khanij Bidesh India Limited (KABIL), we are also trying to ramp up domestic mining as soon as possible. The biggest issue with rare earths is not that they are rare, but because they exist in trace quantities and extracting them can be difficult," said an official on condition of anonymity.

The other issue is that refining is not only expensive but also has huge pollution implications," the official added.

Domestic production ramps up

To secure raw material for magnet manufacturing, the ministry of mines has auctioned the Nawatola-Laband rare earth elements (REE) block in Uttar Pradesh. Additionally, three blocks have been auctioned in which REE are associated with other minerals: the Katghora Lithium Block in Chhattisgarh, the Dombarahalli Phosphate Block in Karnataka and the Patehra REE and graphite block in Madhya Pradesh.

Exploration licence blocks—the Ontillu-Chandragiri REE Block in Andhra Pradesh and the Nawatala-Devigarh REE block in Rajasthan—have also been auctioned.

Bodies of 3 NIT Silchar students recovered from Assam waterfall

Dima Hasao, Agency: The bodies of three missing students of the National Institute of Technology Silchar were recovered from a waterfall in Assam's Dima Hasao district, police said on Sunday.

The students, who had gone for an outing on Saturday morning, reportedly fell into a waterfall near Harangajao village. While the body of one student was recovered on Saturday evening, the other two were found around 12.30 pm on Sunday, officials said.

The deceased have been identified as Sarva Kritika (20), Sauhard Rai (20) and Radhika Kumari (19). Police said that Kritika and Rai were residents of Uttar Pradesh, while Radhika hailed from Bihar.

Dima Hasao additional superintendent of police (ASP), Farukh Ahmed, said they received information about an accident at Harangajao on Saturday afternoon and two teams of the State Disaster Response Force (SDRF) were immediately dispatched to the spot.

"After a thorough search, one body was recovered on Saturday evening, and today two more bodies were found under the water. All three have been sent to Haflong for post-mortem examination," Ahmed said on Sunday.

NIT Silchar director, professor Dilip Kumar Baidya, confirmed that all three were first-year students. He said they had left the institute premises without following campus protocols.

"We have a rule that every student must inform the concerned authorities before going out. Unfortunately, some students violate this rule, and it happened in this case as well," Baidya said.

He added that the parents of the students have been informed and asked to visit the institute. According to police in Dima Hasao, the parents of two students have already reached the district, while the others are on their way.

"Since the incident occurred in Dima Hasao, the local police are handling the legal formalities. If the parents wish to collect the bodies directly from Haflong, they will be allowed to do so. If they want the bodies brought to the NIT campus, we will facilitate that as well," the director said.

Ashes in iron box, cops misled: How Pune man killed wife, hid body in 'Drishyam style

New Delhi, Agency: In connection with a chilling crime allegedly inspired by the Bollywood thriller 'Drishyam', police in Maharashtra's Pune on Saturday arrested a 42-year-old man for killing his wife and attempting to destroy all traces of evidence.

The accused, identified as Sammer Punjabrao Jadhav, confessed that he was "influenced by the movie" while plotting the murder, as reported earlier by HT.

Jadhav, a resident of Swami Sankul Apartment near the Talathi office in Shivane, runs an automobile garage and holds a diploma in automobile. His wife, Anjali Sammer Jadhav, 38, worked as a teacher in a private

school.

Extramarital affair and a brutal plot

Investigators said Sammer had been in an extramarital relationship with another woman. He allegedly began sending Anjali messages from a friend's phone to provoke arguments and frame her as unfaithful.

Sammer decided to execute his carefully hatched murder plot on October 26, according to the police. The couple had gone for a drive to Mariaai Ghat near Khed Shivapur.

On their way back, he took Anjali to a godown he had rented at Gogalwadi Phata in Shindewadi. There, while sharing a meal, he allegedly strangled her to death.

To eliminate evidence, the accused husband placed wife's body in a large iron box he had prepared in advance, set it on fire using firewood stored earlier, and later dumped the ashes in a nearby riverbed. He even scraped the metal box to remove any remaining traces.

Deputy Commissioner of Police Sambhaji Kadam said, "The accused had hatched a detailed plan. He had taken the godown on ?18,000 monthly rent, made the iron box at the place and also stored firewood." Like in the film Drishyam, where a man goes to extreme lengths to conceal a murder.

two days after the killing, Sammer approached the Warje-Malwadi Police Station and filed a missing person's report for his wife.